

जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार कृत-संकल्पित : सीएम यादव

प्रदेश के 4 जनजातीय बहुल जिलों को मिलेगा 6 मोबाइल मेडिकल यूनिट का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 6 मोबाइल मेडिकल यूनिट को दिखाई झंडी

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्पित है। मध्यप्रदेश में जनजातीय समाज के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य उत्थान की दिशा में उत्कृष्ट प्रयास जारी हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर केन्द्र सरकार द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में प्रदेश में चल रही स्वास्थ्य सेवाओं के विकास एवं विस्तार की सभी गतिविधियों को नई दिशा मिल रही है। इस अभियान में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदेश के दूरस्थ जनजातीय ग्रामों से जोड़ने के उद्देश्य से चलित चिकित्सालय इकाई - मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) का संचालन किया जा रहा है। यह प्रदेश के सभी जनजातीय अंचलों के समग्र एवं संतुलित विकास सहित स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की एक नई पहल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से स्वास्थ्य विभाग द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 6 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि प्रदेश में पहले ही प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) के अंतर्गत 21 जिलों के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीबीटीजी) को घर पर नि:शुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की जा रही है। इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेश के 4 जनजातीय बहुल जिलों यथा आलौराजपुर, खंडवा, धार और झाबुआ में 6 अतिरिक्त मोबाइल मेडिकल यूनिट्स भेजी जा रही हैं। इस प्रकार अब प्रदेश में कुल 72 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेडिकल मोबाइल यूनिट के संचालन से जनजातीय बहुल गांवों में कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित नहीं रहेगा। इनसे ऐसे ग्रामों तक भी चिकित्सा सुविधा पहुंचेगी, जहां 10 किलोमीटर के दायरे में कोई भी स्थायी स्वास्थ्य केंद्र या शासकीय चिकित्सालय नहीं है।

मध्यप्रदेश, विकास-सुशासन और संस्कृति तीनों ही क्षेत्रों में है अग्रणी : सीएम यादव
भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा मध्यप्रदेश प्राचीन काल से ही समृद्ध रहा है। यहां की संस्कृति, शिल्प कला, ऐतिहासिक चरित्र, विरासत इत्यादि देख, सभी को गर्व की अनुभूति होती है। प्रदेश के गठन से लेकर अब तक की यात्रा को देखने पर गर्व होता है हमारा प्रदेश विकास, सुशासन और संस्कृति तीनों ही क्षेत्रों में अग्रणी बन चुका है। पिछले दो दशकों में हुई विकास और जनकल्याण की गतिविधियों ने राज्य को प्रगति के नए सीपान पर पहुंचाया है। आना वाला समय प्रदेशवासियों के सामूहिक परिश्रम, नवाचार और संकल्प का होगा। विकसित मध्यप्रदेश 2047 का लक्ष्य केवल शासन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर नागरिक का संकल्प है। यह ऐसा ध्येय है, जिसमें हर गांव, हर शहर और व्यक्ति की भागीदारी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर मध्यप्रदेश के वैभवशाली अतीत, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उज्ज्वल भविष्य को चित्रों व छया चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करती प्रदर्शनी +अभ्युदय मध्यप्रदेश+ का लाल परंड ग्राउंड पर शुभारंभ कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद मीडिया से चर्चा में उक्त विचार व्यक्त किए।

जन-जन के सहयोग से विकसित मध्यप्रदेश @2047 विजन डॉक्यूमेंट नव मध्यप्रदेश निर्माण की आधारशिला : सीएम यादव

सीएम यादव ने प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर विजन डॉक्यूमेंट का किया विमोचन

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत २०47 के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा यह डॉक्यूमेंट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की आँक़ोरश्वर अभयारण्य विकसित करने की घोषणा

मुख्यमंत्री ने एमपी ई-सेवा पोर्टल, इन्वेस्ट एमपी 3.0 पोर्टल, वॉश ऑन व्हील्स मोबाइल ऐप का किया लोकार्पण

रीवा-नई दिल्ली फ्लाईट और रीवा-इंदौर फ्लाईट के लिए सौंपे गए अनुबंध-पत्र

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज एक नवम्बर को हम न केवल प्रदेश की उपलब्धियों का उत्सव मना रहे हैं, बल्कि आने वाले 25 वर्षों के कार्यकाल की शुरुआत भी कर रहे हैं। गत दो वर्ष विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की आधारशिला रखने वाले रहे। इन वर्षों में प्रदेश ने विरासत से विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, निवेश प्रोत्साहन, आधारभूत ढांचे के विस्तार में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित कीं। आने वाले समय में यही गति प्रदेश को देश के अग्रणी औद्योगिक केन्द्र के रूप में स्थापित करेगी। इस ऐतिहासिक अवसर पर हम विकसित मध्यप्रदेश २०47 विजन डॉक्यूमेंट, राष्ट्र को समर्पित कर रहे हैं। जन-जन के सहयोग से विकसित यह दस्तावेज नव मध्यप्रदेश निर्माण की आधारशिला है, जो अगले 2



दशकों के लिए सशक्त आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश का रोडमैप भी है। यह डॉक्यूमेंट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को

रबीन्द्र भवन में प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर +अभ्युदय मध्यप्रदेश+ के अंतर्गत विकसित मध्यप्रदेश २०47 विजन डॉक्यूमेंट विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विकसित मध्यप्रदेश २०47 विजन

डॉक्यूमेंट का विमोचन किया। साथ ही आँक़ोरेश्वर अभयारण्य विकसित करने की घोषणा भी की, इसमें खण्डवा और देवास जिले के क्षेत्र शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वाा विकसित +वॉश ऑन व्हील्स+

मोबाइल ऐप का लोकार्पण भी किया। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने डॉक्यूमेंट के उद्देश्यों तथा विभिन्न बिन्दुओं पर प्रेजेंटेशन दिया। डॉक्यूमेंट पर लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।
2 वर्षों में प्रदेश का चौथा हवाई अड्डा उज्जैन में लेगा आकार
उज्जैन हवाई अड्डे से श्रद्धालुओं को मिलेगा लाभ
मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय मंत्री श्री नायडू की उपस्थिति में उज्जैन हवाई अड्डे के विकास अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए। गत लगभग 2 वर्ष में प्रदेश को चौथा हवाई अड्डा मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि इस अवधि में रीवा, सतना और दतिया एयरपोर्ट ने भी आकार लिया है। उज्जैन हवाई अड्डा बनने से श्रद्धालुओं को विशेष लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन सहित अब ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भारतीय संस्कृति के तेजस्वी प्रतीक हैं महाकवि कालिदास: सीएम यादव

महाकवि कालिदास की रचनाएं भारतीय संस्कृति और साहित्य की हैं अमोल धरोहर

अवतिका में जन्मे महाकवि कालिदास भारत ही नहीं, विश्व के सर्वश्रेष्ठ साहित्यकारों में शामिल

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर उज्जैन को मिली एयरपोर्ट और हवाई मार्ग की अनुपम सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया 67वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह का वरुंअल शुभारंभ

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कालिदास समारोह हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, साहित्य और परम्पराओं के विविध अलंकारों में से एक सबसे उज्ज्वल और प्रदीप्तमान पुंज है। यह आज भी भारतीय ज्ञान, कला और संवेदना की गहराइयों का उदात्त प्रकटीकरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकवि कालिदास की लेखनी में न केवल शब्दों का वैभव है, बल्कि उसमें भारतीय आत्मा की झलक भी है। कालिदास समारोह हमारे गौरवशाली सांस्कृतिक इतिहास का उत्सव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने



कहा कि महाकवि कालिदास भारतीय साहित्य के ऐसे अमर हस्ताक्षर हैं, जिनकी कृतियां संस्कृत साहित्य के लिए अमूल्य निधि होने के साथ-साथ सम्पूर्ण भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना की संवाहक भी हैं। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास ने अपनी कल्पनाशीलता, गहन संवेदनशीलता और अद्भुत लेखन कौशल से भारतीय कथा-कला और काव्य साहित्य को धन्य किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को समस्त भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उज्जैन में आयोजित 67वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह का वरुंअल शुभारंभ कर संबोधित किया। इस

अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकवि कालिदास की प्रसिद्ध कृतियों - अभिज्ञान शाकुंतलम्, मेघदूतम्, कुमारसंभव, रघुवंश, ऋतुसंहार और विक्रमोर्वशीयम् का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी ग्रंथ साहित्यिक सौंदर्य के प्रतीक हैं। इनमें भारतीय जीवन दर्शन, प्रकृति और प्रेम की गहन अभिव्यक्ति निहित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन न केवल महाकाल की नगरी है, बल्कि कालिदास जैसे युगप्रवर्तक और काव्य साधक कवि की कर्मभूमि भी रही है। यहां आयोजित कालिदास समारोह का

हर वर्ष बढ़ता गौरव मध्यप्रदेश सहित पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार महाकवि कालिदास के नाम पर आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक आयोजन को और अधिक भव्यता और व्यापकता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साहित्य और संस्कृति समाज को एकजुट करने का माध्यम हैं। हमारा उद्देश्य कालिदास समारोह से नई पीढ़ी को भारतीय साहित्य, संस्कृति और शास्त्रीय परंपराओं से जोड़ना है। समारोह में महाकवि कालिदास की कृतियों पर आधारित नाट्य मंचन, वाद्य-संगीत प्रस्तुतियां, वाद-विवाद प्रतियोगिता और सांस्कृतिक संस्था का आयोजन भी किया जा रहा है। 67वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह का यह आयोजन न केवल साहित्यकारों और कलाकारों के लिए प्रेरणास्रोत है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति के सनातन वैभव को आधुनिक युग में पुनर्स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण सेतु भी सिद्ध हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि उज्जैन की धरती अपने आशीर्वाद से परम प्रतिष्ठा दिलाती है। कवि कालिदास का ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एकादशी पर वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ , 10 श्रद्धालुओं की मौत

अमरावती(राष्ट्र)। ओर प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ मच गई, जिसमें 10 श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई घायल हैं। इस बीच मोराल मीडिया पर भगदड़ से जुड़े ड्रा देने वाले वीडियो सामने आए हैं।

ओर प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार (01 नवंबर) को एकादशी पर धरती भूकंप की भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, जिसमें दस श्रद्धालुओं जान चली गईं, जबकि कई अन्य घायल बचाए जा रहे हैं। हॉस्टे में मुक्तों को संग्रह करने की आशंका जलाई जा रही है, क्योंकि कई घायलों को हॉस्टल गोदरे बने हुए हैं, जिनका



भगदड़ के बाद भयावह वीडियो आए सामने

इस बीच मंदिर के अंदर से कई भयानक वीडियो सामने आईं, जिसमें भगदड़ में बेहोश हुए लोगों को संवेअर देने के लिए श्रद्धालु दौड़ते देखे गए। भगदड़ के वीडियो में लोग भीड़ में बेहोश हुए लोगों की मदद के लिए दौड़ते हुए दिखाई दिए। कुछ वीडियो में लोग एक-दूसरे को भीड़ से निकालकर उनकी मदद करते भी देखे गए।

मोराल मीडिया पर भगदड़ के बाद कई विचलित करने वाले दृश्य सामने आए हैं, जिसमें यहां दिखावा मुर्दाबन नहीं है। वीडियो में लोग एक संकेत करने की घड़ियों पर कंधे हुए और भगदड़ से बचने की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे थे। भगदड़ के दौरान एक-दूसरे को भीड़ से निकालकर उनकी मदद के लिए चौकड़े-चिल्लाते दिखाई देते।

इंदौर के केमिकल गोडाउन में दो महिलाएं जिंदा जली

एकादशी पर पूजा के लिए जलाए गए दीपक से आग भकी; बच्चों ने भागकर जान बचाई



इंदौर/नवप्रदेश। इंदौर में एक गोडाउन में आग लग गई। जिसमें दो महिलाएं जिंदा जल गईं। दोनों के शव बाहर निकाल लिए गए हैं। फिलहाल गोडाउन में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। मौके पर सर्चिंग जारी है। आग लगने की ये घटना शनिवार शाम को राऊ के नजदीक आरआर कैट रोड पर स्थित एक गोडाउन की है। आग शाम ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाथियां मौके पर पहुंची। जिस गोडाउन में आग लगी वहां थिनर स्टोर होता था।

आज वेबाक

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान आखिरकार उसका पुराना रक्तचरित्र सामने आ ही गया। मोकामा विधानसभा सीट पर चुनाव प्रचार के दौरान बाहुबली नेताओं के पंटरों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। जिसमें जनसुराज पार्टी के एक समर्थक की मौत हो गई। इस सीट पर बाहुबलियों का दबदबा रहा है। ऐसे में वहां हिंसा की आशंका थी जो अंततः सही साबित हुई। बिहार में और भी दर्जनों सीटें है जहां आपराधिक छवि वाले नेताओं को विभिन्न पार्टियों ने चुनाव मैदान में उतारा है। वहां भी ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो तो कोई ताजुब नहीं होगा।

अगले 25 साल के नए युग का हो रहा सूर्योदय विकास की ऊंचाइयों को छुएगा छत्तीसगढ़, माओवाद मुक्त होगा हिंदुस्तान का हर कोना

पीएम मोदी ने किया छग राज्योत्सव का शुभारंभ

नवप्रदेश व्यूरो/ नवारायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज छत्तीसगढ़ राज्य अपने गठन के 25 साल पूरा कर लिया है।हमारा छत्तीसगढ़ नक्सलवाद और माओवाद से मुक्त हो रहा है। मैं देशवासियों को गारंटी देता हूं कि वह दिन दूर नहीं जब हमारा छत्तीसगढ़, हमारा हिंदुस्तान का हर कोना माओवादी आतंक से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, आज अगले 25 साल के नए युग का सूर्योदय हो रहा है।

पहले डॉक्टरों और टीचरों को बम से उड़ा दिया जाता था

पीएम मोदी ने कहा, नक्सलवाद की वजह से अपने 50-55 साल तक जो कुछ झेला वो पीड़ादायक है। कुछ लोग संविधान की किताब का दिखावा करते हैं। सामाजिक न्याय के नाम पर घडिङली आंसू बहाते हैं। उन्होंने दशकों तक आप लोगों के साथ अन्याय किया है। मोदी ने कहा कि नक्सलियों के कारण सड़कों से आदिवासी वंचित रहे। बच्चों को स्कूल नहीं मिले। बीमारों को अस्पताल नहीं मिले। लोगों को बम से उड़ा देते थे। डॉक्टरों और टीचरों को बम से उड़ा दिया जाता था। मोदी ने कहा कि दशकों तक देश में शासन करने वाले आप लोगों को आपके हाल पर



छोड़कर, एयर कंडीशन कमरों पर बैठकर अपने जीवन का आनंद लेते थे। मोदी अपने आदिवासी भाई बहनों को हिंसा के खेल में बर्बाद होने के लिए नहीं छोड़ सकता।

जहां बिजली नहीं आती थी, वहां आज इंटरनेट तक पहुंचा

मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों का जीवन आसान बने। आपको

जीवन से मुश्किलें कम हो, इसके लिए सरकार काम कर रही है। जहां बिजली नहीं आती थी, वहां आज इंटरनेट तक पहुंच चुका है। कुछ परिवारों के लिए गैस सिलेंडर सपना होता था। अमीर के घर सिलेंडर आता था तो गरीबों को लगता था कि मेरे घर यह कम आएगा। गैस कनेक्शन आज घर-घर तक पहुंच गया है। अब पाइप के जरिए घर-घर तक सस्ती गैस पहुंचाने का संकल्प लिया है।

25 साल के नए युग का हो रहा सूर्योदय

पीएम मोदी ने कहा, छत्तीसगढ़ के 25 साल सफर का साक्षी रहा हूं। 25 साल का एक काल खंड पूरा हुआ है। आज अगले 25 साल के नए युग का

सूर्योदय हो रहा है। मेरा एक काम करेगे आप लोग, सब लोग बताइए। अपना फोन निकालिए और प्लेस जलाइए। ये पहुंच चुका है। कुछ परिवारों के लिए गैस सिलेंडर सपना होता था। अमीर के घर सिलेंडर आता था तो गरीबों को लगता था कि मेरे घर यह कम आएगा। गैस कनेक्शन आज घर-घर तक पहुंच गया है। अब पाइप के जरिए घर-घर तक सस्ती गैस पहुंचाने का संकल्प लिया है।

छत्तीसगढ़ विकास की ऊंचाइयों को छुएगा

मोदी ने कहा, साथियों 25 साल पहले अटल जी की सरकार ने छत्तीसगढ़ को आपको सौंपा था। यह भी संकल्प लिया गया कि छत्तीसगढ़ विकास की ऊंचाइयों को छुएगा। छत्तीसगढ़ ■ शेष पृष्ठ 6 पर

विविधता में एकता ही भारत की असली ताकत : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

- **राष्ट्रनायकों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़े हमारी भावी पीढ़ी : मुख्यमंत्री साय**
- **मुख्यमंत्री ने दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ : स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों और आमजनों के साथ ‘एकता दौड़’ में हुए शामिल**
- **राष्ट्रीय एकता दिवस पर मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण**

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित सरदार



वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि वे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाले ऐसे

युगपुरुष थे जिन्होंने अपने अदम्य साहस और दृढ़ निष्ठा से देश की रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव रखी। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्कूली बच्चों,

जनप्रतिनिधियों और आमजनों के साथ राजधानी रायपुर के शास्त्री चौक से शारदा चौक तक आयोजित ‘एकता दौड़’ में शामिल होकर ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’ का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल को उनकी दूरदृष्टि और अद्भुत नेतृत्व क्षमता के कारण ही ‘भारत का लौह पुरुष’ कहा जाता है। राष्ट्र को एकजुट करने के उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आज पूरे देश में ‘रन फॉर यूनिटी’ का आयोजन किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत विविधताओं से परिपूर्ण देश है और ‘विविधता में एकता’ की भावना ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों के उत्साह और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनका यह जोश सरदार पटेल के प्रति श्रद्धा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिए गए ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’ के संकल्प को

साकार करने का आह्वान किया और सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन हमें राष्ट्रहित में समर्पण, संगठन और एकता का अमूल्य संदेश देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश सरदार पटेल के सपनों का सशक्त और एकजुट भारत बना रहा है। कैबिनेट मंत्री एवं प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में एकता, सद्भाव और विकास के कार्यों को नई दिशा मिल रही है। सरदार पटेल के आदर्शों पर चलते हुए प्रदेश सरकार जनहित और सुशासन के संकल्प को साकार कर रही है। जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के मार्गदर्शन में

संक्षिप्त खबरें

गुजरात की धरती से देश ने देखा बस्तर का ‘विकास’



रायपुर/नवप्रदेश। गुजरात के एकता नगर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को आयोजित एकता परेड में इस वर्ष छत्तीसगढ़ की झांकी बस्तर की धरती-संस्कृति, सृजन और प्रगति की गाथा ने सभी का मन मोह लिया। यह झांकी छत्तीसगढ़ के जनजातीय जीवन, परंपराओं और विकास यात्रा का जीवंत प्रतीक बनकर उभरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परेड में सम्मिलित सभी झांकियों का अवलोकन किया और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियों की सराहना की। प्रधानमंत्री की उपस्थिति में प्रदर्शित छत्तीसगढ़ की झांकी ने अपने सौंदर्य, प्रतीकात्मकता और सशक्त संदेश से सबका ध्यान आकर्षित किया। झांकी के अग्रभाग में पारंपरिक वेशभूषा में सजे माड़िया जनजाति के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत गौर नृत्य ने बस्तर की आन-बान और सामूहिकता की भावना को सजीव कर दिया। उनके पास रखी पारंपरिक तुड़ी बस्तर के पर्वों की गूँज और लोक उल्लास की प्रतीक बनी। वहीं, नंदी का चित्रण बस्तर की गहरी लोक आस्था और शिव उपासना की परंपरा को अभिव्यक्त करता नजर आया।

शिल्पकारों की कला-झांकी के मध्य भाग में बस्तर के विकास और परिवर्तन की यात्रा को कलात्मक रूप में दर्शाया गया। कभी नक्सलवाद से प्रभावित यह क्षेत्र अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। झांकी के अंतिम भाग में टोकरी लिए महिला की प्रतिमा बस्तर की स्त्री शक्ति, श्रम और सृजनशीलता का प्रतीक बनी। झांकी की ढोकरा शिल्पकला से की सजावट ने बस्तर के शिल्पकारों की कलात्मकता और परंपरागत कौशल को दर्शाया।

हत्या के दोषी को आजीवन कैद

रायपुर/नवप्रदेश। लेनदेन के विवाद में घर घुसकर महिला की हत्या करने वाले युवक को आजीवन कैद की सजा सुनाई गई है। प्रकरण की सुनवाई में अभियोजन पक्ष की ओर से अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत में 12 गवाहों के बयान करवाए गए। अतिरिक्त लोक अभियोजक रितेश कुमार अवस्थी ने बताया कि भिलाई के नेहरू नगर निवासी मोहमद सुल्तान (24साल) से प्रेमनगर गुडियारी निवासी मोहमद इस्माइल ने रकम उधार ली थी। इसे नहीं लौटाने पर सुल्तान 15 फरवरी 2023 की सुबह 8 बजे बातचीत करने के लिए आया था। इस दौरान इस्माइल की पत्नी इमराना खातून से विवाद होने पर सुल्तान ने चाकू से प्राणघातक हमला किया। इससे घटनास्थल पर उसकी मौत हो गई। सूचना पर गुडियारी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच करने के बाद 15 मई 2023 को कोर्ट में चालान पेश किया। जांच मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायाधीश ने आजीवन कैद से दंडित किया।

हाईकोर्ट के जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के लिए आवेदन शुरू

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के अंतर्गत जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट एवं जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट (कंप्यूटर) पदों के लिए लिखित भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभ्यर्थी व्यापम की वेबसाइट से 25 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। टुटि सुधार 26 नवंबर से 28 नवंबर तक कर सकेंगे। परीक्षा 4 जनवरी को संभावित है। व्यापम की ओर से प्रवेश पत्र 29 दिसंबर को जारी कर दिए जाएंगे। इसमें जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के 124 और जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट (कंप्यूटर) के 9 पदों की भर्ती की जाएगी। आवेदन के लिए जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के लिए ग्रेजुएशन के साथ ही आईटीआई से एक साल का कंप्यूटर डिप्लोमा कोर्स होना चाहिए। वहीं जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट (कंप्यूटर) के लिए आवेदन के लिए अभ्यर्थी को ग्रेजुएशन होने के साथ ही पीजीडीसीए की भी डिग्री जरूरी है।

पीसीसीएफ मिश्रा बनाए गए ओएसडी

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय वन सेवा 1994 बैच के प्रधान मु्य वन संरक्षक भूप्रबंधन सुनील मिश्रा को एक साल की सविदा नियुक्ति पर वन विभाग मुख्यालय का ओएसडी बनाया गया है। 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने के कुछ घंटे बाद ही विशेष सचिव जेपी पाठक द्वारा इसका आदेश जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि वे पूर्व की भांति पीसीसीएफ भूप्रबंधन की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। इसका आदेश पृथक से जारी किया जाएगा। सेवानिवृत्ति के बाद भूप्रबंधन की जिम्मेदारी किसी को नहीं सौंपी गई है।

धरना प्रदर्शन पर टैक्स वसूलना तुगलकी फरमान

भाजपा सरकार के खिलाफ उठ रही आवाज कुचलने की नीति

तुता धरना स्थल से प्रतिबंध हटाये,धरना प्रदर्शन पर टैक्स लेने का आदेश वापस हो

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में धरना प्रदर्शन पर 500 रु. शुल्क एवं पंडाल लगाने पर 5 रु. स्केयर फीट शुल्क लेने और तुता धरना स्थल पर आंदोलन की रोक को भाजपा सरकार का लोकतंत्र विरोधी कृत्य बताते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार ने तुता धरना स्थल नवा रायपुर में आंदोलन पर रोक एवं रायपुर शहर में धरना प्रदर्शन पर 500 रु टैक्स लगाने का तुगलकी फरमान जारी किया



है। 21 महीने में सरकार आलोकप्रिय चुकी है। भाजपा सरकार की वादाखिलाफ एवं असफलता को लेकर आम जनता, युवा, महिलाये, किसान, शासकीय कर्मचारी, ट्रांसपोर्ट वाहन चालकों में गहरी नाराजगी है। आंदोलन से जनता का आक्रोश सड़कों पर दिख रहा है, जिसे घबराई भाजपा सरकार अब लोकतंत्र का गला घोट रही है। सरकार के खिलाफ उठ रही विपक्ष और जनता की

आवाज को कुचलने के लिए भाजपा सरकार ने तुगलकी फरमान जारी किया है। इसे तत्काल वापस लिया जाये।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह एवं महापौर मीनल चौबे से पूछा जब वह विपक्ष में थे, तब आंदोलन करते थे तो क्या वह 5 रु. प्रति फीट के हिसाब से टैक्स का भुगतान करते थे? फिर आज उनकी ट्रिपल इंजन की सरकार रायपुर में प्रदर्शन पर टैक्स लेने का फरमान कैसे जारी कर दिया? क्या भाजपा सरकार प्रदेश को हितलर शाही से चलाना चाहती है विपक्ष और जनता की आवाज को दबाना चाहती है आखिर सरकार

में इतना डर क्यों है? भाजपा सरकार में तो आंदोलनकारियों को प्रताड़ना झेलना पड़ रहा है। जिस प्रकार से कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ आंदोलन करने पर गंभीर धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया जा रहा है उन्हें जेल में बंद किया जा रहा है। आंदोलन कर रहे दिव्यांगजनों को आधी रात को अभनपुर के थाना क्षेत्र में ले जाकर तालाबंदी कर दिया गया। एनएचएम के कर्मचारियों के डायरा धमकाया गया। भाजपा के तानाशाही से न विपक्ष डरेगी न जनता हम लोकतंत्र के तहत मिले आंदोलन के अधिकारों का उपयोग करते हुए भाजपा की तानाशाही सरकार के खिलाफ सड़कों पर आंदोलन करेंगे।

आज हनुमान मंदिर से खाटू श्याम तक निकलेगी निशान यात्रा

रायपुर/नवप्रदेश। गुडियारी के हनुमान मंदिर से श्री खाटू श्याम मंदिर समता कॉलोनी तक 5वीं मध्य निशान (घंज) रथ यात्रा देवउठनी एकादशी (तुलसी पूजा) 2 नवंबर को निकलेगी। यह यात्रा विगत 4 वर्ष 3 माह से अनवरत प्रत्येक महीने की शुक्ल पक्ष एकादशी को सुबह 6.30 बजे निकली जाती है। इस यात्रा का उद्देश्य भक्तों द्वारा अपने संकल्प और मनोकामनाओं को बाबा के चरणों में अर्पित करना है। यात्रा के दौरान भक्त भजन-कीर्तन करते हयेंगे। निशान लिए मंदिर तक पहुंचते हैं।

केआईआईटी, फिडे और एआईसीईएफकी आपसी सहयोग से भारत में शतरंज को बढ़ावा देंगे

भू व न रे श्र र / न व प्र ढ र श । केआईआईटी-डीयू ने फिडे और ऑल इंडिया चैस फेडरेशन के साथ गोवा में एक ऐतिहासिक समझौता पर हस्ताक्षर किया गया । इसके तहत जनवरी 2026 में इंटरनेशनल कॉन्ग्रेस ऑन सोशल एंड एजुकेशनल चैस का आयोजन किया जाएगा।

यह आपसी सहयोग केआईआईटी , कीस विश्वविद्यालय और ओडिशा के लिए गर्व का क्षण है। यह वैश्विक खेल संस्थाओं के इन संस्थानों पर दृढ़ विश्वास और शिक्षा के माध्यम से खेल को सशक्त बनाने की उनकी सोच को दर्शाता है। कीट और कीस ने हमेशा से खेल - कूद के प्रति , खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्टता को शिक्षा के साथ जोड़कर हमेशा बढ़ावा देते आ रहा है।



वर्षों से केआईआईटी ने कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों – जैसे एफआईवीबी (वॉलीबॉल), फीफ (फुटबॉल) और कई राष्ट्रीय महासंघों – के साथ साझेदारी की है ताकि खेल शिक्षा और प्रशिक्षण में वैश्विक मानकों को स्थापित किया जा सके। अब विश्व की सर्वोच्च शतरंज संस्था फिडे के साथ यह साझेदारी इस यात्रा में एआईसीईएफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह साझेदारी शतरंज को शिक्षा, समावेशी और सशक्तिकरण के एक प्रभावी माध्यम के रूप में बढ़ावा देगी।

डोरकोविच, ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद , एआईसीईएफ के अध्यक्ष श्री नितिन नारंग और अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दिखाए गए गहरी विश्वास से सम्मानित महसूस हो रहा है। शिक्षा, खेल और सामाजिक परिवर्तन को एक साथ लाने के हमारे विजन की सराहना दो पद हमारे लिए बहुत मायने रखती है। उन्होंने फिडे और एआईसीईएफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह साझेदारी शतरंज को शिक्षा, समावेशी और सशक्तिकरण के एक प्रभावी माध्यम के रूप में बढ़ावा देगी।

अमित जोगी ने कांग्रेस हाई कमान से मिनी माता के नाम को बचाने और पीएम के कार्यक्रम के बहिष्कार की मांग की

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के जनता कांग्रेस (जे) के नेता अमित जोगी ने आज कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि नए विधानसभा भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में ‘मिनी माता’ के नाम को हटाए जाने के विरोध में पार्टी को औपचारिक रूप से बहिष्कार का आह्वान करना चाहिए।



जोगी ने कांग्रेस अध्यक्ष महिकाजुन खड्गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, और एआईसीसी प्रभारी सचिन पायलट को भेजे एक पत्र में कहा

पर प्रकाश डाला कि 2 दिसंबर, 2002 को स्वर्गीय अजीत जोगी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ही विधानसभा भवन का नाम मिनी माता के नाम पर रखने का ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया था। बाद में, 11 अगस्त, 2020 को भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ही ‘मिनी माता भवन’ की आधारशिला राहुल गांधी की उपस्थिति में रखी थी। 24 मार्च, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी अपने संबोधन में इस भवन

को ‘मिनी माता भवन’ के नाम से ही संबोधित किया था। जोगी ने जोर देकर कहा, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह द्वारा जारी निमंत्रण में ‘मिनी माता’ नाम का जानबूझकर हटाया जाना एक सुनियोजित षड्यंत्र है, जो दलित नेतृत्व और नारी सशक्तिकरण के प्रतीकों को मिटाने की मानसिकता को दर्शाता है। ऐसे में, किसी भी कांग्रेस नेता द्वारा इस कार्यक्रम में शामिल होना न केवल पार्टी के सिद्धांतों के विपरीत होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की जनता की भावनाओं का सीधा अपमान होगा।

पीएम मोदी ने पद्म विभूषण तीजन बाई और विनोद कुमार शुक्ला का जाना हाल

परिवार से की बात

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नवा रायपुर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के सांस्कृतिक धरोहरों पद्म विभूषण प्राप्त पंडवानी गायिका तीजन बाई के परिवार से फोन पर बात की और उनकी सेहत का हाल जाना। साथ ही, पद्म भूषण से सम्मानित ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता लेखक विनोद कुमार शुक्ला से भी संपर्क कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। यह संवेदनशील कदम राज्य के सिल्वर जुबली समारोह को सांस्कृतिक गहराई प्रदान करता है।



करे। उन्होंने कहा, ‘तीजन बाई ने पंडवानी लोककला को अंतरराष्ट्रीय पटल पर पहचान दिलाई है, लेकिन अब परिवार का गुजारा मुश्किल है।’ मोदी ने चिंता जताते हुए हर संभव स्वायत्तता का आश्वासन दिया और तीजन बाई के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इसी क्रम में, 90 वर्षीय विनोद कुमार शुक्ला से भी पीएम ने सीधे बात की। शुक्ला, जो एमएमआई नारायण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के आईसीयू में श्वसन संबंधी गंभीर समस्या से पीड़ित हैं, ने कमजोर आवाज में कहा, ‘लेखन मेरे लिए सांस लेने जैसा है। मैं जल्द घर लौटना चाहता हूं और फिर कलम उठाना चाहता हूं।’ उन्होंने अपनी रचनाओं ‘नागराव’, ‘दीवार में एक खिड़की रहती थी’ और ‘नौकर की कमीज’ का जिक्र किया, जो जादुई यथार्थवाद की मिशाल हैं। मोदी ने शुक्ला की बहादुरी की सराहना की और पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की।

राज्योत्सव पर मंडराए बारिश के बादल

रायपुर/नवप्रदेश। एक नवंबर को होने वाले राज्योत्सव में बारिश खलल डाल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को राजधानी व आसपास हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। अधिकतम तापमान 29 व न्यूनतम तापमान 24 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। दूसरी ओर पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कई इलाकों में भारी से अति भारी बारिश हुई है। इससे धान व सब्जी को भारी नुकसान पहुंचा है।



अधिकतम तापमान सामान्य से 2.1 डिग्री कम 28.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 23.7 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3.8 डिग्री ज्यादा रहा।

24 घंटे में यहां हुई बारिश

सांतेहवारा में 8, रेंगाखारकला, सूरजपुर व सोनहत में 6-6 सेमी पानी गिरा। सामरी, चांदो, कुसमी, लटोरी, रामानुजगंज, प्रतापपुर में 5-5, कुकदुर, कटघोरा, बोड़ला, दौरा

कोचली, भैयाथान में 4-4, अंबिकापुर, कवर्धा, पटना, पिपरिया, रामानुजगंज, वाङ्गनगर, खड़गवां, पेंडाराड, दुर्गुखदान, केलहारी, औंधी, कुर्कोदुल, लोरेमी, गड्ड व अनेक स्थानों पर 3-3 सेमी पानी बरसा।

प्रदेश में अक्टूबर में 80 फीसदी ज्यादा बारिश

प्रदेश में अक्टूबर में 80 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है।

कारोबारी की कार से 2 लाख चुराने वाला सिपाही बर्खास्त

रायपुर/नवप्रदेश। कारोबारी की कार चेंकिंग के दौरान नकदी चुराने वाले सिपाही प्रशांत शुक्ला को बर्खास्त कर दिया गया है। मामले की जांच के बाद एसएसपी ने यह कार्रवाई की है। उल्लेखनीय है कि दुर्ग के कारोबारी मयंक गोस्वामी 18 अक्टूबर की रात धमतरी से अपने घर लौट रहे थे। उनकी कार में 10 लाख रुपए थे। हवाला कारोबार के संदेह में रायपुर से क्राइम ब्रांच की टीम उसका पीछा कर रही थी।टीम में शामिल सिपाही प्रशांत शुक्ला, धनंजय गोस्वामी, प्रमोद वट्टी, अमित, वीरेंद्र भार्गव आदि कारोबारी के घर तक पहुंचे। इसके बाद उनकी कार की तलाशी लेने लगे। इस दौरान प्रशांत ने उनकी

कार में रखी रकम में से 2 लाख रुपए निकाल लिए। रकम अपनी जेब में डाल ली। कुछ देर बाद टीम पूछताछ करके वापस चली गई।रकम गायब होने की जानकारी कारोबारी को सुबह हुई। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसमें प्रशांत रकम चुराते हुए नजर आया। इसकी शिकायत उन्होंने दुर्ग एसपी विजय अग्रवाल को की। एसपी अग्रवाल ने पूरे मामले को सीप दी। इसकी जानकारी होते ही प्रशांत को सस्पेंड कर दिया गया। साथ मामले की जांच कराई गई। जांच में रकम चुराना साबित होने के बाद एसएसपी डॉक्टर सिंह ने उसे बर्खास्त कर दिया है।

न्यूज गैलरी

बड़े तालाब क्षेत्र में अतिक्रमण पर एनजीटी सख्त

बीएमसी को दो सप्ताह में कार्रवाई रिपोर्ट देने के निर्देश



भोपाल/नवप्रदेश। राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेंट्रल जोन बेंच भोपाल ने बड़े तालाब वेटलैंड क्षेत्र में किए जा रहे अतिक्रमणों पर कड़ा रुख अपनाते हुए भोपाल नगर निगम को पूर्व आदेश के अनुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। भोपाल के बड़े तालाब (अपर लेक) क्षेत्र में अतिक्रमण के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने भोपाल नगर निगम को कड़ी फटकार लगाते हुए दो सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। न्यायाधिकरण ने साफ कहा है कि आर्द्रभूमि नियमों का अक्षरशः पालन किया जाए और सभी अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों को हटाया जाए।

पर्यावरण मंत्रालय की ओर से स्पष्टीकरण
पर्यावरण मंत्रालय की अधिवक्ता डॉ. सपना अग्रवाल ने कहा कि मंत्रालय ने अपने जवाब में पहले ही स्पष्ट किया है कि आर्द्रभूमि नियमों के अनुसार स्थानीय प्रशासन को प्रतिबंधित और विनियमित गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखनी होगी। किसी भी उल्लंघन की स्थिति में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को कार्रवाई करनी होगी।

नगर निगम को फटकार
आवेदक पक्ष ने न्यायाधिकरण को बताया कि 7 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुसार अपर लेक क्षेत्र में अतिक्रमणों को लेकर बीएमसी ने अब तक स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। बीएमसी की ओर से कहा गया कि अतिक्रमण के आरोपितों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं और सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। इस पर हलबूझ ने नगर निगम की लापरवाही पर नाराजगी जताई और कहा कि पहले दिए गए निर्देशों का समय पर पालन नहीं किया गया है।

NGT का आदेश
न्यायाधिकरण ने निर्देश दिए कि भोपाल नगर निगम पूर्व आदेशों के अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करे और आर्द्रभूमि नियमों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करे। की गई कार्रवाई की रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर न्यायाधिकरण को सौंपी जाए। राज्य सरकार के अधिवक्ता प्रशांत हरने ने बताया कि इसी तरह का एक मामला मूल आवेदन संख्या 77/2020 में भी लंबित है। यह मामला भोपाल के बड़े तालाब क्षेत्र में अवैध निर्माण और भूमि अतिक्रमण से जुड़ा है। पर्यावरणविदों का कहना है कि इस तरह की गतिविधियां झील के जल धारण क्षमता, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रही हैं।

भोपाल में छठवीं की छात्रा के साथ रेप

बहन की नंद के बेटे ने दिया वारदात को अंजाम, आंगनवाड़ी में काउंसलिंग में पीड़िता ने किया खुलासा

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के शाहपुरा में बहन के घर आई छठवीं कक्षा की 12 साल की छात्रा के साथ रेप का मामला सामने आया है। वारदात को पीड़िता की बहन की ननद के बेटे ने अंजाम दिया है। काउंसलिंग में रेप की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। आरोपी युवक की फिलहाल गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। पुलिस के मुताबिक 12 वर्षीय किशोरी कक्षा छठवीं की छात्रा है। वह बनारस की रहने वाली है और उसकी बहन की शादी इंद्रा नगर में हुई है। उसकी बहन की तबीयत खराब थी, इसलिए पीड़िता को उसके परिजनों ने बहन की देखरेख करने के लिए भेजा था। आरंभ संस्था के सदस्य इंद्रा नगर में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चियों को बैड टच से जुड़ी बातें बता रहे थे। तभी काउंसलिंग के दौरान मासूम ने अपनी साथ हुई घटना उन्हें बताई। जिसके बाद उसकी काउंसलिंग कराई गई।

अचानक कमरे में घुसा आया था आरोपी, किया रेप

मासूम ने उन्हें बताया कि करीब 15 दिन पहले रात में जब वह कमरे में सौ रही थी, तभी उनकी बहन की नंद का बेटा नीरज आ गया। उसने मासूम को डरा धमकाकर उसके साथ रेप किया। घटना के बाद से वह डर गई थी, इसलिए उसने यह बात किसी को नहीं बताई। यह खुलासा होने के बाद संस्था के लोग पीड़िता को लेकर थाने पहुंचे और आरोपी युवक पर मामला दर्ज कराया। एफआईआर की भनक लगते ही आरोपी फरार हो गया है। उसकी गिरफ्तारी

बधाई देते हैं। पटवारी ने कहा कि आज हमारी स्थिति क्या है और हमारी स्थिति क्या होनी थी? डूबे हुए दो सवाल महत्वपूर्ण हैं। सबसे बड़े बेरोजगार वाले प्रदेश में हमारा प्रदेश है। सबसे ज्यादा युवा बेरोजगार हमारे प्रदेश में हैं। यहां के 75 प्रतिशत ग्रामीण और शहरी युवा बेरोजगार हैं।

सबसे ज्यादा आदिवासी एमपी में रहते हैं। सबसे अधिक अत्याचार, वेदना सबसे अधिक एमपी में है। यह एससीआरबी के आंकड़े हैं। 70 फीसदी किसान कर्ज में हैं जिसमें से 90 फीसदी कर्ज में हैं। दलितों पर

सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी अहंकार नहीं होना चाहिए : उप मुख्यमंत्री शुक्ल



कि थल सेना अध्यक्ष के रीवा आगमन पर हम सब गौरवान्वित हैं। टीआरएस परिसर में उनके आगमन से उत्साह एवं उमंग का वातावरण है। ऑपरेशन सिंदूर में थल सेना अध्यक्ष व नौसेना प्रमुख देश में हीरों के तौर पर उभर कर आए हैं। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, साहस, स्पष्टता, साथ मिलकर कार्य करने तथा परिवर्तन ने ऑपरेशन सिंदूर को सफलता दिलाई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सेना को खुली हृट दी और हमने आतंकवाद को समाप्त किया। उन्होंने कहा कि सिंदूर अभियान की लड़ाई सिर्फ सेना ने नहीं बल्कि देशवासियों ने एकता के साथ लड़ी। उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि टीआरएस कॉलेज की फुटबाल टीम को देखकर हम लोग के मन में ईर्ष्या होती थी। हमारे पिता जी ने भी इस ऐतिहासिक महाविद्यालय में अपनी पढ़ाई की थी।

लगाकर देश को ऊंचाईयों तक ले जाने का संकल्प लें। अनुशासन और मार्गदर्शन मिलने से हमारे देश की युवा शक्ति भारत को और आगे ले जाने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, साहस, स्पष्टता, साथ मिलकर कार्य करने तथा परिवर्तन ने ऑपरेशन सिंदूर को सफलता दिलाई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सेना को खुली हृट दी और हमने आतंकवाद को समाप्त किया। उन्होंने कहा कि सिंदूर अभियान की लड़ाई सिर्फ सेना ने नहीं बल्कि देशवासियों ने एकता के साथ लड़ी। उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि टीआरएस कॉलेज की फुटबाल टीम को देखकर हम लोग के मन में ईर्ष्या होती थी। हमारे पिता जी ने भी इस ऐतिहासिक महाविद्यालय में अपनी पढ़ाई की थी।

इस महाविद्यालय का मेरी परवरिश में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि रीवा में आपसी भाईचारा और सौहार्द बहुत है। यहां सब लोग मिलकर रहते हैं और उनमें अपनत्व बहुत है। जनरल द्विवेदी ने सभी को मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस की बधाई दी। न्यायमूर्ति व्ही.के. सिंह ने कहा कि विन्ध्य की विभूतियों ने कर्म से महानता अर्जित की है। थल सेना अध्यक्ष व नौसेना प्रमुख एक ही विद्यालय के एक साथ पढ़ने वाले छात्र हैं। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा को विकास के शिखर पर पहुंचाया है। रीवा का भाईचारा यहां की विशेषता है। जो अपनापन यहां है वह अन्य जगह देखने को नहीं मिलता है। कार्यक्रम में प्राचार्य श्रीमती अर्पिता अवस्थी ने थल सेना अध्यक्ष का शाल, श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र व प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मान किया। थल सेना अध्यक्ष ने महाविद्यालय के प्राचार्य को के-9 बज्र की प्रतिकृति भेंट की। कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र ताम्रकार सहित प्राध्यापक, गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत थल सेना अध्यक्ष ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं केडेट्स से भेंट की।

राजधानी भोपाल में आज बिजलीकर्मियों का प्रदर्शन



नियमितिकरण के प्रस्ताव पर सुनवाई नहीं होने पर इकट्ठा होंगे

भोपाल/नवप्रदेश। राजधानी भोपाल में रविवार को बिजलीकर्मियों का बड़ा प्रदर्शन होगा। अंबेडकर ग्राउंड पर प्रदेशभर से बिजलीकर्मों जुटेंगे। नियमितिकरण के प्रस्ताव पर सुनवाई नहीं होने से उनकी नाराजगी है। मध्यप्रदेश यूनाइटेड फोरम फॉर एम्प्लाइज एवं इंजीनियर्स संस्थापक इंजीनियर वीकेएस परिहार ने बताया कि प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री को प्रस्ताव दिया है कि वितरण कंपनियों के संगठनात्मक स्ट्रक्चर में नियमित पद के मंजूर होने पर उन पदों पर सविदा पर कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को नियमित किया जाए। प्रस्ताव पर सरकार ने अभी तक संज्ञान नहीं लिया है। संगठन के प्रदेश मीडिया

प्रभारी लोकेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि नियमितिकरण के प्रस्ताव पर सुनवाई नहीं होने पर आक्रोश है। 3 महीने पहले ही नियमितिकरण का प्रस्ताव दिया गया था। इसलिए रविवार को %मुख्यमंत्री ध्यानाकर्षण कार्यक्रम% कर रहे हैं। नियमित भर्ती होने से पहले बिना परीक्षा सीधे बिजली सविदाकर्मों को नियमित करने की मांग है। वे 10-15 साल से विभाग में काम कर रहे हैं।

श्रीवास्तव ने बताया कि ऊर्जा विभाग में 49 हजार 263 नियमित पद रिक्त है। इनमें से 5 हजार विद्युत सविदाकर्मियों को मर्ज करने का प्रस्ताव है। सरकार ने अब तक इस पर किसी तरह के एक्शन के संकेत नहीं दिए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सरकार ने इसकी घोषणा भी की थी, लेकिन उसे लागू नहीं किया गया।

एसआईआर के लिए कांग्रेस ने बनाई कमेटी: पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा बने अध्यक्ष

8 सदस्यीय कमेटी करेगी

मॉनिटरिंग और कोआर्डिनेशन

भोपाल/नवप्रदेश। एमपी में शुरू हुई एसआईआर (स्पेशल इंटिग्रेस्ड रिवीजन) की कार्यवाही की मॉनिटरिंग के लिए कांग्रेस अलर्ट है। बिहार में मतदाता सूची के लिए हुए एसआईआर पर चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगा चुकी कांग्रेस ने अब एमपी में आयोग की पूरी कार्यवाही का मॉनिटरिंग के लिए 8 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने गठित कमेटी से कहा है कि पूरे एसआईआर कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ इसमें कोआर्डिनेशन का काम भी कमेटी में शामिल सदस्य और पार्टी नेता करेंगे। धनोपिया को चुनाव आयोग से संबंधित मामलों के प्रदेश प्रभारी कांग्रेस ने जेपी धनोपिया को चुनाव आयोग से

संबंधित मामलों के लिए प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी सौंप रखी है और वे पिछले दिनों मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा बुलाई गई स्टैंडिंग कमेटी की मीटिंग में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग द्वारा तय टाइम और अन्य व्यवस्थाओं पर सवाल उठा चुके हैं।

7 फरवरी 2026 तक चलेगी प्रक्रिया

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झा ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया 8 फरवरी 2026 तक चलेगी। 3 नवंबर तक बीएलओ को ट्रेनिंग दी जाएगी। 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सर्वे किया जाएगा। 9 दिसंबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया जाएगा। 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक दावा आपत्तियों के आवेदन लिए जाएंगे। 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा।

16 जिलों में बचे हुए किसानों का धान पंजीयन अब 6 नवंबर तक होगा

भोपाल/नवप्रदेश। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए बचे हुए किसानों का पंजीयन अब 6 नवंबर तक हो सकेगा। यह निर्णय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की विशेष पहल पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की किसान-हितैषी सोच का परिणाम है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि इस संबंध में सभी संबंधित जिलों के कलेक्टरों को आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार

डिण्डौर, मण्डला, बालाघाट, सतना, छिंदवाड़ा, शहडोल, अनूपपुर, दमोह, सिवनी, मैनैठ, उमरिया, जबलपुर, सीधी, अलीगंजपुर, बैतूल और पन्ना जिलों में अब शेष किसानों का पंजीयन निर्धारित नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में किया जाएगा। प्रदेश के कई जिलों से यह सुझाव प्राप्त हुए थे कि तकनीकी कारणों, समयाभाव या मौसम की बाधाओं के चलते कुछ किसान समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए पंजीयन नहीं करा पाए हैं। कलेक्टरों द्वारा भेजे गए इन प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार करते हुए

वन मंडल से कार्यवाहक वनपाल श्री राजेन्द्र सिंह अमलिया, धार वनमंडल के वनरक्षक श्री मनीष गहलोत, मंडला वन मंडल के वनक्षेत्रपाल श्री हंशराज चौहान, वनपाल श्री गजलू सिंह मरावी और वनरक्षक श्री बैद्ध श्रवण कुलिह, सिंगरीली वनमंडल के वनरक्षक श्री राजेश कुमार सौंधिया, श्री अविनाश पति त्रिपाठी, सिवनी पेंच टाइगर रिजर्व कार्यवाहक वनपाल श्री अनिल कुमार चौधरी, वनरक्षक श्री भूपेन्द्र राजपूत, श्री मनोज सलामे, श्री पुषेन्द्र चंचल ठोले, श्री संजय नामदेव, श्री वीरसिंह परसे, श्री चंचलेश गजभिये और श्री रोहित कुमार शुक्ला, मंदसौर वनमंडल से वनरक्षक श्री जितेन्द्र सिंह पंवार और वीरेंद्र सिंह चौहान शामिल हैं। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

रोहित कुमार गौर, श्री रामेन्द्र सिंह वर्मा एवं वनपाल श्री मोहम्मद शरीफ खान, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के वनरक्षक श्री मनोज कुमार वरकड़े, इंदौर वन मंडल के वन रक्षक श्री प्रवीण मालवीय, श्री महेन्द्र चौहान, कार्यवाहक वनपाल श्री सुनील कुमार शर्मा एवं श्री महेन्द्र चौहान, झाबुआ



वन मंडल के वनरक्षक श्री रणछौर दास अग्निहोत्री एवं श्री अनिल कुमार गन्हाड़े, छहरपुर वन मंडल के कार्यवाहक वनक्षेत्रपाल श्री बुद्धसेन कोल, दक्षिण पन्ना वन मंडल के वन संरक्षण श्री सचिन पदमें एवं श्री अमोल गौतम, कार्यवाहक वनपाल श्री रामशरण सिंह, भोपाल

भोपाल के हाई सिक्योरिटी जोन में फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

फरारी काटने में मदद करने वाली महिला सहित दो युवक भी पकड़े गए, लाइसेंसी बंदूक भी जब्त



एनक्लेव बीमाकुंज कोलार निवासी गोपाल विजयवर्गीय (45) राजभवन के पास शॉप नंबर-12 रोशनपुरा में श्रीश्याम ऑनलाइन एंड ई-टिकट नाम से शॉप चलाते हैं। 24 अक्टूबर की शाम गोपाल का बेटा श्याम विजयवर्गीय दुकान पर बैठा हुआ था। तभी आरोपी दीपेंद्र गुर्जर

आया और क्यूआर कोड में 30 हजार रुपए की रकम ट्रांसफर करने के बाद वह विवाद करने लगा। आरोपी ने रकम को अपने खाते में ट्रांसफर करा लिया, लेकिन कैश देने में आनाकानी की। बार-बार रकम मांगने पर उसने दुकानदार पर फायर कर दिया। इतना ही नहीं उसने लाइसेंसी गन से फायरिंग कर दी थी। आरोपी दीपेंद्र गुर्जर भाजपा नेता लोकेंद्र सिंह गुर्जर का ड्राइवर था। आरोपी दीपेंद्र को पकड़ने के लिए पुलिस की चार टीमें लगी हुई थीं। पुलिस ने घेराबंदी कर मुरैना से दीपेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही फरारी के दौरान उसकी मदद करने

वाले साहिब सिंह, गुलअफशा और देशराज सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले पुलिस रेलवे स्टेशन के पास से गाड़ी को जब्त कर चुकी है।

लोकेंद्र सिंह गुर्जर पर भी होगी कार्रवाई

एडीसीपी गौतम सोलंकी ने बताया कि आरोपी दीपेंद्र ने भाजपा नेता लोकेंद्र सिंह गुर्जर की लाइसेंसी बंदूक से फायर किया था। चूंकि इस मामले में शस्त्र लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन किया है, इसलिए उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर भोपाल को

स्थापना दिवस पर बोला विपक्ष, समृद्धि के साथ चुनौती भी

जीतू पटवारी बोले- सबसे ज्यादा बेरोजगार, कर्जदार, महिला असुरक्षा है एमपी में

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा है कि देश के सबसे ज्यादा कर्जदार राज्यों में एमपी है और यहां आदिवासियों की एक लाख बहनें एक साल में गायब हुई हैं। सबसे अधिक बेरोजगार भी एमपी में हैं। उधर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी इस मामले में कहा है कि समृद्धि के साथ चुनौतियां भी एमपी में हैं। कई गांवों में बिजली नहीं पहुंची है।

दलित और महिलाएं सुरक्षा की तलाश में हैं। परीक्षा में गड़बड़ी के मामले भी हैं। इसे छिपाना नहीं रोकना होगा।

पटवारी ने एक्स पर अपलोड वीडियो में कहा है कि प्रदेश के स्थापना दिवस पर सबको

बधाई देते हैं। पटवारी ने कहा कि आज हमारी स्थिति क्या है और हमारी स्थिति क्या होनी थी? डूबे हुए दो सवाल महत्वपूर्ण हैं। सबसे बड़े बेरोजगार वाले प्रदेश में हमारा प्रदेश है। सबसे ज्यादा युवा बेरोजगार हमारे प्रदेश में हैं। यहां के 75 प्रतिशत ग्रामीण और शहरी युवा बेरोजगार हैं।



सबसे अधिक अत्याचार यहां हो रहा है। एक साल में आदिवासियों की 2 लाख बहनें गायब हुई हैं, यह सरकारी आंकड़ा है।

समृद्धि के साथ चुनौतियां भी हैं एमपी में- सिंधार

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर अपलोड वीडियो में कहा है कि मध्य प्रदेश स्थापना दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मध्य प्रदेश की पहचान सिर्फ नक्सों में नहीं, बल्कि हर नदी, हर घाटी और हर शहर की रंगों में बसती है। यह प्रदेश अपने जंगलों, नदियों

और जीवन से धन्य है।

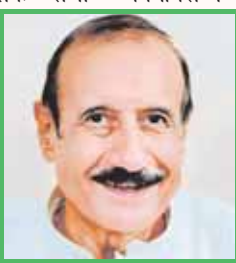
यहां हर धर्म, हर जाति, हर भाषा और हर समुदाय मिलकर इस प्रदेश की अनेकों पहचान बनाते हैं। हमें ऐसा मध्य प्रदेश बनाना है जहां हर बच्चे को शिक्षा, हर महिला को सुरक्षा, हर हाथ को काम और हर दिल को सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि समृद्धि के साथ चुनौतियां भी एमपी में हैं। कई गांवों में बिजली नहीं पहुंची है।

दलित और महिलाएं सुरक्षा की तलाश में हैं। परीक्षा में गड़बड़ी के मामले भी हैं। इसे छिपाना नहीं रोकना होगा। स्थापना दिवस पर आइए, हम सब संकल्प लें, अपने इस मध्य प्रदेश को समृद्धि, समानता और संवेदना की मिसाल बनाएं।

घुटनों से उठ अपने पैरों पर चल पड़ा छत्तीसगढ़

किसी भी राज्य में उसके सभी जनमानस में जागी छ यह सोचा व माना गया भौगोलिक क्षेत्रों में मूलभूत अधोसंरचनाओं का विकास बराबरी से नहीं हो पता है। इससे इन क्षेत्रों में निवासरत लोगों के रहन-सहन, जीवन स्थितियों और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास में गहन असमानताएं रहती हैं। 1 नवम्बर, 2000 को मध्यप्रदेश से अलग होकर 26 वें राज्य बने छत्तीसगढ़ को ऐसी गहरी असमानताएं निर्माण के साथ ही प्राप्त हुई थीं छ रायपुर, भिलाई-दुर्ग, कोरबा, बिलासपुर जैसे शहर रहन- सहन व संरचनात्मक विकास की दृष्टि से अपेक्षाकृत बेहतर थे, पर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थितियां निम्नतर थीं छ प्रदेश का 40वँ भौगोलिक भाग वन क्षेत्र है, जहाँ रहने वाले आदिवासी जनसंख्या, विशेषकर सुदूर घने वन क्षेत्रों में निवासरत जनसँख्या तक विकास की रोशनी पहुंची हुई सी नहीं लगती थी छ इसीलिए सभ्यता के सामाजिक-आर्थिक विकास में सबसे अधिक असमानता की पीड़ा भोगने वाले आदिवासी रहे हैं। 1980 से बस्तर संभाग में नक्सल गतिविधियों के शुरु होने के बाद से छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों में नक्सलवाद अपने आतंक से पैर जमाने लग गया छ इससे आदिवासियों का जीवन संघर्ष और भी जटिल होने लग गया छ राज्य गठन से ही छत्तीसगढ़ को विरासत में मिली इस समस्या से निपटना एक बड़ी चुनौती थी।

नए राज्य के बनने से बहुत-सी उम्मीदें



डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा



बघेल की अगुवाई में कांग्रेस की सरकार को विकास की बागडोर जनता ने सौंपीं छ भारतीय जनता पार्टी ने जनता का विश्वास अर्जित कर अब फिर से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार बनाई है। कांग्रेस की सरकार के 8 वर्षों और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के 17 वर्षों में छत्तीसगढ़ विकास के मार्ग पर तेजी से अग्रसर हुआ है।

वर्ष 2000 में राज्य की जनसंख्या लगभग 2 करोड़ थी जो अब बढ़कर लगभग 3.5 करोड़ हो चुकी है छ एक-चौथाई आबादी शहरी क्षेत्र में और तीन-चौथाई आबादी ग्रामीण व वन क्षेत्रों में निवासरत है छ प्रशासनिक अधिकारियों व विभागों तक जनता की पहुंच को बेहतर बनाने की दृष्टिकोण से राज्य गठन की सरकार के संभाग अब 3 से बढ़कर 5, जिले 16 अब बढ़कर 33 तथा तहसीलें 97 बढ़

राज्य सकल घरेलू उत्पाद (GDP) 25,845 करोड़ से बढ़कर 3,21,945 करोड़ रुपए हो गया है। आर्थिक विकास की ओर प्रदेश निरंतर बढ़ रहा है छ 2000 में जब छत्तीसगढ़ का गठन हुआ था, प्रति व्यक्ति आय 12 हजार रुपये थी जो अब बढ़कर 1 लाख 60 हजार हो गई है और उसे हिसाब से इन 25 सालों में 13 गुना उल्लेखनीय वृद्धि हुई है छ धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में 70% से अधिक आबादी खेती व इससे जुड़े कार्यों पर निर्भर है छ सरकार द्वारा 21 क्जिटल तक 3,100 रुपए प्रति क्जिटल की दर से धान की खरीदी से किसानों की आर्थिक सुस्थि मजबूत हुई है छ प्रदेश में सिंचाई के संसाधनों में वृद्धि हुई है छ 2000 में प्रदेश में सिंचित रकबा 13.28 लाख हेक्टेयर था जो अब बढ़कर 21.76 लाख हेक्टेयर तक गया है छ वार्षिक कृषि वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है जो उल्लेखनीय है छ पीएम किसान सम्मान निधि और सौर सुजला जैसी योजनाओं का किसानों को सीधा लाभ मिला है। तेंदूपत्ता श्रमिकों के पारिश्रमिक भी 5,500 प्रति बोरा तक हो जाने से तेंदूपत्ता संग्राहकों की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है छ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के 324 गांव में नियद नेछ्नार योजना के माध्यम से सड़क,बिजली,पानी,शिक्षा व स्वास्थ सेवाएं प्रदान की जा रही हैं छ इन ग्रामों में सामुदायिक केंद्र, आंगनवाड़ी केंद्र स्वास्थ केंद्र व प्राथमिक स्कूल खोले जा रहे हैं। 2001 में राज्य में 38,050 सरकारी स्कूल थे जो अब बढ़कर 56,615 हो गए हैं जिनमें 52 लाख विधार्थी

अध्यनरत हैं छ इस अवधि में शिक्षा सूचकांक 0.249 से बढ़ कर 0.520 हो गया है। राज्य के गठन के समय उच्च शिक्षा संस्थानों में सकल नामांकन अनुपात 3.5 था जो अब बढ़कर 18.6 हो गया है छ प्रदेश में इस समय 9 राजकीय विश्वविद्यालय, 15 निजी विश्वविद्यालय, 335 शासकीय महाविद्यालय, 12 अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों तथा 256 निजी महाविद्यालय हैं। वर्तमान सत्र में कुल 3.35 लाख छात्र-छात्राएँ उच्च शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत हैं छ राज्य में 25 वर्षों में चिकित्सा शिक्षा को उल्लेखनीय विस्तार मिला है छ चिकित्सकों की कमी को देखते हुए और प्रदेश के युवाओं को चिकित्सक बनाने के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नर् मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं छ प्रदेश में इस समय 10 शासकीय तथा 5 निजी मेडिकल कालेज संचालित हैं छ अगले सत्र में तीन और नए मेडिकल कालेज राज्य सरकार खोल रही है छ चिकित्सा शिक्षा के अकादमिक नियमन हेतु आयुष विश्वविधालय स्थापित किया गया है जिसके आधीन इन मेडिकल कालेजों के आलावा 8 शासकीय सहित कुल 131 नर्सिंग, 1 शासकीय सहित कुल 7 दंत चिकित्सा, 1 शासकीय सहित कुल 2 फिजियोथेरेपी, 2 शासकीय सहित कुल 9 आयुर्वेदिक, 2 निजी प्राकृतिक चिकित्सा के शिक्षण संस्थान संचालित हैं। इसके आलावा केंद्र सरकार का अखिल भारतीय आयुष विज्ञान संस्थान (AIIIMS) भी प्रदेश की राजधानी संचालित है।

सुनो भाई उधो

बेरी बादर



परमानंद वर्मा

मोर ये समझ नइ आवय, काबर कोनो ककरो बनक, बढ़त अउ विकास ला देख नइ सकय?

रढ़-रढ़ क, हकर-हकर, मर-खप के दिन रात, न संझा देखय, न बिहनिया, जांगर टोर-टोर के, पछीना गार-गार के कमाय रहिथे एक के ला इक्कीस करथे। न ककरो करा उधारी मांगय न बाढ़ी। दूनो परानी मरत-खपत रहिथे। खेती किसानी में, तब कहूँ जाके अब परमेसरी खेत में दरसन देथे अउ कहिथे- आ बेठा, अब मोला खेत ले खलिहान में ले जा, जइसे कुंआरी बेटी जब सोलह बखर के होय ले धरथे तब दाई-ददा बेटी के हाथ पिंगरा करे ले सोचथे, जान डरथे ये पराया धन हे, ओकर हाथ सुपरद कर देना चाहीं। अब मोना खेत बहा ह किसान करा गोठयाथे।

‘ अब्बड़ लम्हरी बात ला लमिया डे गजामूंग, अइसे अचानक तोर मन मं का बात आगे ते कहां ले कहां के गोठ-बात कर डरे? कोनो काकरो बनक, बाढ़त अउ विकास ला नइ देख सकत हे, कोन काकर नुकसानी बर नीयत गड़ा दे हे। सोमनाथ कहिथे- ‘काला का कहिबे गजामूंग, मनखे मन तो अनदेखना, अंखपुछा होबेच करथे, ए मौसम, ये पानी, ये बेरी बादर के घला नीयत आलगे हे, देख ना, खेत मं अन्न परमेसरी बेटी बरोबर ओगारा करत हे, काहत हे- अब मोर मालिक, मोर ददा, मोला लू-लुआ के खेत ले खलिहान लेगही, उहां टोरही-भांजही, मिंजही अउ खेत ले ओकर घर मं पांव धरहूं। मोर दाई, बहिनी, कका-काकी, भइया-भउजी आगोर करत होही, मोला देखे बर लुलवावत होही। घर मं जाहूं तब कतेक मोर धूमधाम से सुआगत करही, आरती उतारही। मोरो आंखी ह्रा ओमन ला देखे बर तरसत हे जइसे कोनो महतारी अपन नवा सतान के चेहरा के एक झलक देखे बर तरसथे। बिहनिया के उवत सुरुज देवता देखे खातिर धरती मइया तरसथे।

तंय कहना का चाहत हस सोमनाथ तेला बने फेर के बताना रे भई, का घुमा-पिरा के कहिथस के बांया कोती के कान दांया कोती के बात ला घला नइ सुन सकय, समझ सकय। मंय तोर सही ओतेक जादा पढ़े-लिखे नइ हैं भई। सबे जानत समझत हस गजामूंग, अइसन कोनो कोंदा-लेड्या अउ बइछ-भुतहा नइ हस? सोमनाथ कहिथे- ‘आज के मनखे अनदेखना अउ अंखपुछा होगे हे तेला तो जानस समझत हस न। कोनो ला बने खात-पियत, ओढ़त-पहितन, घूमत-फिरत, गोठियावत-बतावत नइ देख सकत हे तउने बात ल समझत हस ना, कोनो दू ल दस अक्कड़ जमीन बना डरिस, घर-दुआर बना डरिस, भगवान के परसाद घोड़ा-गाड़ी आगे, तउनो ला तो तंय जानस हस ना? गजामूंग हुंकार करत कहिथे- ‘हां तब इही तो बात हे, ए सबो ला देख के काबर सबके आंखी फूटथे, जलथे। आधू मं मीठ-मीठ

गोटियाही अउ तरी-तरी जलत भूँनत रहिथे। कहिथे- देख तो सारे ला रे, चार पइसा का कमा लिस, हवा मं उड़त हे। ओ दिन ला भुलागे, जब ओकर दाई-ददा मन मोर घर नाहना टोरत रहिसे, बनिहार रहिसे। दिन-रात खपत रहिसे। काकर परसादे आज एहर हवा मं उड़त जात हे चिरई बरोबर।

‘ ओ सब बात ला छोड़, अभी अइसे तोर पेट मं का पीरा उठगे अचानक ते बड़बड़ाय ले धर लेस बइहा बरोबर? गजामूंग कउवाय असन बोलथे। तोला का बतावव गजामूंग, मनखे तो मनखे ये मौसम, ये पानी बेरी बादर के घला आंखी फूटत हे मोर फसल ला देख के, युहू अंखपुछा हे तइसे लागत हे। लागत हे नहीं, हावय। खेत मं फसल खड़े हे, अन्नपूरना छटपटावत हे, फेर जानत हस कोन-कोन जघा मं भारी बरसात होगे, खड़े फसल चउपट होगे। अनपूरना तो रोबे करत हे, किसान सब माथा धर के रोवत हे। छोटे लइका ला कतेक हियाव करके पालथन, पोसथन अउ अचानक जइसे कोनो बीमारी सचर जथे, झपा जथे। रंग देथे ओ सतान, कतेक बोम फर के रोथे दाई-ददा मन। हाय मोर बेटा...हाय मोर बेटी...। उही हाल ओ किसान मन के होगे हे जिहां बरसात हा फसल ला मुरकेट के मार डरे हे। मंय सियान हंव गजामूंग तोर सही साहब नोहंव। खेती के रकम, दरद, पीरा ला ओ खेत, अउ किसान ही समझ सकथे।

गजामूंग समझाथे- सोमनाथ भइया, पानी, बेरी बादर तो हमर मन के धरे-बांधे नोहय, ओकर ऊपर हमर का वश हे, चले नइ सकय। ओ अपन मन के मालिक हे, जिहां गरज जाय, बरस जाय, बिजली चमक जाय।

सोमनाथ कहिथे- ‘गजामूंग, अरे पानी-बादर के दिन पहगे, देवारी-दसहरा, देवउठनी घला निकलत हे। एकर अवरदा पूरा होगे। अब ओला चले जाना चाही अपन घर-दुआर। ठंडकाला के दिन अवइया हे, तब काबर दूसर के हक ला मारत हे ये नीयतखोर अउ अंखपुछा बेरी बादर मौसम हा। बरसे के दिन मं बरसही नहीं, चोरहा मन असन जीव लुकावत फिरी, अब जब जरूरत नइहे तब का नुकसान करे बर बरसत हे। मंय कोनो अदालत के ‘जज होतेंव तब ये मौसम ला फंसी के सजा सुना देतेंव।

‘अच्छ... अच्छ... अब समझेंव सोमनाथ तोर माथा अतेक काबर आज गरम होय हे तउन ला। लोहार-सोनार के धुकनी बरोबर तोर अंतस धधकत हे ये पानी-बादर ला देख के। सालभर के मिहनत पानी मं झन फिर जाय। गजामूंग ओला समझावत कहिथे- ‘धीरज धर संगी, ये बादर तोला डेखाय बर आवत हे, जउन बादर गरजथे न, तउन बरसय नहीं। मोला भरोसा नइहे गजामूंग- बेईमान, चोर, डाकू, लमंगा, आतंकी अउ नीयतखोर मन के कभू भरोसा नइ करना चाहीं। मोला ओ कहावत के अभी सुरत आगे मितान- ‘ठाढ़े खेती गांमिन गाय, तब जानव जब मुंह मं जाय। वइसने कस हाल आज मोर होगे हे।



डॉ. किशोर अग्रवाल

क्षेत्र के विधायक महोदय का गांव में पांच साल बाद आगमन हुआ। स्कूल के सामने खड़े एक बच्चे ने पत्थर फेंक कर मारा। उसे पकड़ कर लाया गया। पूछा "क्यों मारा?" तो कहा कि मेरी क्लास स्कूल की परछी में लगती थी, बापू बोले तुम्हें वोट दिया है, अब तुम भी क्लास रूम में पढ़ोगे। मैं अब ग्यारहवीं कक्षा में आ गया, हमारे स्कूल के दो कमरे और परछी टूट गई। अब दो कमरों में पूरा स्कूल चल रहा है। तुम बोले थे ना कि यहां के बच्चे इंग्लिश सीख कर अमेरिका जाएंगे हम तो शहर तक भी नहीं गए। पुल तो जस का तस टूटा है तुम कैसे आ गए विधायक जी ?

तभी झाड़ू लगाती एक मेहतारानी ने झाड़ू फेंक कर मारा। विधायक के चमचों ने पुर्तों से पकड़ लिया । "क्या करती हो?" वह बोली "मुझे हाथ मत लगाओ हयमखोरों, दो साल पहले सदस्यता अभियान में तुम्हारे जैसे और भी आए थे विधायक के गुंडे। उन्होने गेस्ट हाउस में सम्प्रर्द करती हमारी बिटिया की पत लुट ली और इस नाशपीटे के दबाव में पुलिस ने रफ्त तक नहीं लिखी। अब यहां यह क्या अपनी अम्मा बेचने निकला है ?

घबराय़ा विधायक किसी की बाहर पड़ी चारपाई पर जा बैठा । एक डोकरा आंख पर हथेली का छजन किए बड़ी देर से उसे निहार रहा था । चमचे ने पूछा "क्या देख रहे हो बाबा, विधायक जी से कोई काम है क्या ?"डोकरा और पास आया मिचमिची आंखों से देखते हुए बोला "वैसा ही

त्यंग्य रचना : विधायक पधारे हैं



समर्थक न आया था। उसके बूथ संभालने वाले साथी गांव में मुंह दिखाने लायक नहीं बचे थे। जीत कर तो विधायक देवताओं को भी दुर्लभ हो जाते हैं । यह विधायक सिर्फ विधायक ही रहा मंत्री ना बन सका , सरकार में सिर्फ समर्थन में हाथ उठाता रह गया था। अपने वोटरों के लिए कुछ कर नहीं पाया न उसके हिस्से मलाई आई न वोटरों के हिस्से छछा।

मालाओं को तरसती उसकी गर्दन सूखी की सूखी रह गई। तर माल खाने वाला हलक प्यास के मारे सूखने लगा। तभी दूर धूल का एक गुबार सा उठा। एक बड़ी गाड़ी में दो-तीन लटैटों सहित पास के गांव का साहूकार आया और आते ही विधायक के गिरबान पर हाथ डाल दिया । बोला -विधायक के बच्चे ! बिना ब्याज पर रुपया लेकर पुल पुलिया निर्माण का ठेका दिलाने का झूठ आधासन देकर चूतिया बनाए हो । शहर में अपने ठौर मिलते नहीं , घर में रहकर भी टरका देते हो। अब हाथ चढ़े हो, आओ पूरी विधायकी चुसेड़ देते हैं।"

साहूकार के शोहदों ने विधायक की गाड़ी अपने कब्जे में ले ली। बांस की लाठी पर विधायक को उल्टा लटकाकर अपनी गाड़ी में डाल लिया। शहरी समर्थक जान बचाकर खेतों में भाग लिये। यह तमाशा देख रहे एक भिखारी ने कहा "इसे मार डालो या पीट लो यह जाति ही ऐसी है । आजादी के बाद से बस उनके चेहरे बदले हैं। हम किसान थे, भिखारी हो गए, पर इनका रूप न बदला । अब भी तो किसी को फिर चुनेंगे। नागनाथ जाएंगे ,सांपनाथ आएंगे । तुम अपने दुखों की बीन बजाते रहना यह जीतकर फिर शहर के बंगलों में खो जाएंगे।"

डैश डाइट : स्वस्थ हृदय और दीर्घायु जीवन की दिशा में एक कदम



डॉ. सीमा कालरा

डिनचर्या, तनाव, बाहर का भोजन और फास्ट फूड संस्कृति ने स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाला है। इन सबका परिणाम है - उच्च रक्तचाप (Hypertension), मोटापा (Obesity), हृदय रोग (Heart Disease), मधुमेह (Diabetes) तथा अन्य जीवनशैली संबंधी बीमारियों का बढ़ता प्रसार। ऐसे समय में चिकित्सा जगत और पोषण विशेषज्ञों ने

यह सिद्ध किया कि यदि व्यक्ति अपने आहार में संतुलन और अनुशासन लाए, तो वह अनेक बीमारियों से बच सकता है। इसी दिशा में वैज्ञानिकों ने एक विशेष आहार योजना तैयार की, जिसे नाम दिया गया – DASH Diet, अर्थात् Dietary Approaches to Stop Hypertension। यह डाइट न केवल रक्तचाप को नियंत्रित करती है, बल्कि सम्पूर्ण शरीर को स्वस्थ, ऊर्जावान और सशक्त बनाती है।

डैश डाइट क्या है?

DASH डाइट एक संतुलित आहार प्रणाली है जिसे 1990 के दशक में अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (National Institutes of Health, USA) द्वारा विकसित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य था – हाई ब्लड प्रेशर को दवाओं के बिना नियंत्रित करना। बाद में शोधों से यह प्रमाणित हुआ कि यह डाइट हृदय रोग, मोटापा, स्ट्रोक और मधुमेह जैसी बीमारियों को भी रोकने में सहायक है।

DASH डाइट का सिद्धांत सरल है –

?? सोडियम (नमक) की मात्रा घटाओ

?? फल, सब्जियाँ, साबुत अनाज और कम वसा वाले खाद्य पदार्थ बढ़ाओ

?? मीठे, तले और प्रसंस्कृत (processed) खाद्य पदार्थों को सीमित करो

डैश डाइट के मुख्य घटक

- फल (Fruits):** ताजे फल जैसे केला, सेब, संतरा, पीता, अमरुद, तरबूज, स्ट्रॉबेरी आदि पोटेशियम और फाइबर से भरपूर होते हैं, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।
- हरी सब्जियाँ (Vegetables):** पालक, लौकी, तोरी, भिंडी, ब्रोकली, शिमला मिर्च जैसी सब्जियाँ विटामिन और खनिजों का उत्कृष्ट स्रोत हैं।
- साबुत अनाज (Whole Grains):** गेहूँ, जौ, ओट्स, ब्राउन राइस, बाजरा, रागी आदि जटिल कार्बोहाइड्रेट प्रदान करते हैं जो लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं।
- दूध और दूध उत्पाद:** टोफू दूध, दही, छाछ और पनीर से कैल्शियम और प्रोटीन की पूर्ति होती है।
- प्रोटीन स्रोत:** दालें, राजमा, चना, सोया उत्पाद, मछली और अंडा शरीर के ऊतकों के निर्माण और मरम्मत में सहायक होते हैं।
- नट्स और बीज (Nuts & Seeds):** बादाम, अखरोट, सूरजमुखी के बीज, अलसी के बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं, जो हृदय के लिए लाभदायक हैं।
- वसा (Fat):** तली हुई चीजों से परहेज करते हुए सरसों, जैतून या सूरजमुखी तेल का सीमित उपयोग किया जाता है।

इस डाइट में प्रत्येक पोषक तत्व का संतुलित अनुपात होता है जो शरीर के हर अंग को सुचारु रूप से कार्य करने में सहायता करता है।

आज का इतिहास



पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपके लिए अनुकूल परिस्थिति ला रहा है। पूर्व में सोची योजनाए सिरे चढ़ने से आय के नए मार्ग विकसित होगे।

वृष : आज का दिन सरकार संबंधित कार्य करने के लिये शुभ रहेगा। अधिकारी वर्ग का नरम व्यवहार रहने से काम निकालना आसान होगा। मिथुन: आज के दिन आपके आध्यात्मिक क्षेत्र में ऊर्जित के योग बन रहे है। आज परोपकार की भावना भी प्रबल रहेगी।

कर्क : आज के दिन भी स्थिति निराशाजनक रहेगी।दिन के आरंभ से ही हानि के डर से किसी भी कार्य को करने से कतराएंगे।

सिंह: आज का दिन मध्यान तक लाभदायक रहेगा।। इसके बाद का समय घरेलू अथवा व्यावसायिक उलझनों की भेंट चढेगा।

कन्या: आज का दिन शुभ फलदायक रहेगा आज आप जल्दी से किसी ठोस निर्णय पर नही पहुंच पाएंगे।

तुला: आज का दिन पिछले दिनों की अपेक्षा सुधार वाला रहेगा। सेहत में सुधार आने से कार्य गंभीर होकर करेंगे लेकिन आज मेहनत का फल तुरंत पाने की इच्छा ना रखें।

वृश्चिक: आज का दिन मिला-जुला फल देगा।मध्यान बाद स्वभाव में विवेक जागृत होगा।

धनु: आज के दिन मध्यान बाद से आपको आशा के विपरीत फल मिलने लगेगा।सेहत भी साथ नही देगी आवश्यक कार्य इससे पहले ही पूर्ण करने का प्रयास करें।

मकर: आज का दिन मध्यान तक बेचैनी वाला रहेगा। आप का संकष्ट किसी ना किसी व्यवधान के कारण पूर्ण नही हो पायेगा।

कुंभ: आज के दिन आपने भावुकता अधिक रहेगी। दिन के आरंभ से मध्यान तक कि दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी।लाभ की आशाएं भी

बनीं रहेगी।

मीन: आज का दिन आपकी आशाओ के विपरीत रहने से मन में नकारात्मक भाव आनेगे लेकिन आध्यात्म से जुड़ने का लाभ भी किसी ना किसी रूप में अवश्य ही मिलेगा।

सूर्योदय : 06:41, **सूर्यास्त :** 05:40, चन्द्रोदय : 14:45, चन्द्रास्त : 02:41, अयन : वनोदरायो (दक्षिण मोले), ऋतु : हेमन्त, शक सम्वत : 1947 (विश्वामसु), विरुम सम्वत : 2082 (सिद्धार्थ), मास : कार्तिक, पक्ष : शुक्ल, तिथि : एकादशी, नक्षत्र : पूर्वभाद्रपद, योग : व्याघात, प्रश्न कण : गर (09:11 तक), द्वितीय कण : वणिज (20:27 तक)

॥ गोचर ग्रह: ॥

सूर्य : तुला, चंद्र : कुम्भ, मंगल : वृश्चिक (उदित, पूर्व, मागी), बुध : वृश्चिक (उदय, पूर्व, मागी), गुरु : कर्क (उदित, पूर्व, मागी), शुक्र : कन्या (उदित, पश्चिम, मागी), रवि : मीन (उदय, पूर्व, वक्त्री), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

- माउंट एडम्स, एक स्ट्रेटोवोल्केनो, किस देश में स्थित है?
- भारत की भाषाई विरासत का जश्न मनाने के लिए प्रवासी परियय 2024 का उद्घाटन कहीं हुआ?
- प्रकृति 2025 अंतरराष्ट्रीय कार्बन बाजार सम्मेलन कहां आयोजित किया गया था?
- वर्तमान अनुमानों के



प्रवाह (5) प्रवाह 7:31 (4) प्रवाह 7:31 (3) प्रवाह (7) प्रवाह 7:31 (1) प्रवाह 7:31

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य - 215

(भाषासंग्रह)

वापस से हाथ

1. कांचिकर समेत वाली, कंचिक के अनुकूल, सुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रावक 7. काय, काज 9. वाद्ययंत्र आदि वस्तुओं वाला 10. बहाना, बहाना 11. रक्त, पाला, हवा 12. मूल्य 13. हिंदू विवाह 14. श्रीमती सम्पत्ति 15. मंग में घरे का लक्ष्य 16. 4. गुच्छ, अकारण 17. औसत के देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 18. चंदमा, रक्तगोश, चार 18. उत्सव

20. अवधि, समय 21. तर्क विचार 22. अचानक लाने वाला, बीच के और कानूनी मुद्दे, बर्बानी हमला 22. राजना, स्वभाव आदि का परिचय, शूट संकेपी कार्य 12. निष्ठा, निष्ठा, गहना होने का भाव 13. अदभुत, कलावट 15. बर्बानी वाला 10. बहाना, बहाना 2. अंग कानूनी की विलास के अंदर चला और नीचा कब्जा 11. रक्त, पाला, हवा 12. मूल्य 3. हिंदू विवाह 4. की रक्षा, अपने ही का 16. जेकरा, गहना, गहना 14. श्रीमती सम्पत्ति 15. मंग में घरे का लक्ष्य 16. 4. गुच्छ, अकारण 17. औसत के देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 18. चंदमा, रक्तगोश, चार 18. उत्सव

उपर से नीचे

1. गंदह दिन का समय, शुद्ध या भाव 13. अदभुत, कलावट 15. बर्बानी वाला 10. बहाना, बहाना 2. अंग कानूनी की विलास के अंदर चला और नीचा कब्जा 11. रक्त, पाला, हवा 12. मूल्य 3. हिंदू विवाह 4. की रक्षा, अपने ही का 16. जेकरा, गहना, गहना 14. श्रीमती सम्पत्ति 15. मंग में घरे का लक्ष्य 16. 4. गुच्छ, अकारण 17. औसत के देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 18. चंदमा, रक्तगोश, चार 18. उत्सव

एक गवर्नर 10. व्यवस्थित करना, राजना, स्वभाव आदि का परिचय, शूट संकेपी कार्य 12. निष्ठा, निष्ठा, गहना होने का भाव 13. अदभुत, कलावट 15. बर्बानी वाला 10. बहाना, बहाना 2. अंग कानूनी की विलास के अंदर चला और नीचा कब्जा 11. रक्त, पाला, हवा 12. मूल्य 3. हिंदू विवाह 4. की रक्षा, अपने ही का 16. जेकरा, गहना, गहना 14. श्रीमती सम्पत्ति 15. मंग में घरे का लक्ष्य 16. 4. गुच्छ, अकारण 17. औसत के देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 18. चंदमा, रक्तगोश, चार 18. उत्सव

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
9									10															
		11								12														
				13									14											
15		16																						

ऑटोमोबाइल के विद्यार्थियों का औद्योगिक भ्रमण



अंतागढ़ / नवप्रदेश। ऑटोमोबाइल के विद्यार्थियों को औद्योगिक भ्रमण में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कलगांव अंतागढ़ -आज दिनांक 31/10 /2025 को शहीद राजेश पवार शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंतागढ़ के विद्यार्थियों को ऑटोमोबाइल ट्रेड में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कलगांव अंतागढ़ जिला उत्तर बस्तर कांकेर का भ्रमण कराया गया इसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों को प्रायोगिक जानकारी उपलब्ध कराना है औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य अनिल कुमार खनडेकर ने अपने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में संचालित डीजल मैकेनिक व फ़ीटर व्यवसाय में बच्चों को वर्क शॉप ले जाकर समझाने के लिए कहा गया। डीजल मैकेनिक के प्रशिक्षण अधिकारी एच एम नाग सर के द्वारा बच्चों को बेसिक जानकारी उपलब्ध कराई गई। पेट्रोल इंजन व डीजल इंजन से चलने वाले वाहनों के विभिन्नताओं के बारे में बताया गया ,संस्था के फ़िटर व्यवसाय के प्रशिक्षण अधिकारी राजेश कुमार उपाध्याय के द्वारा ड्रिल मशीन ,वेल्डिंग मशीन एवं लेथ मशीन की जानकारी बच्चों को साझा की गई । लेथ मशीन, वेल्डिंग मशीन के कार्य के बारे में बच्चों को बताएं तथा भविष्य में आप व्यावसायिक में आगे औद्योगिक संस्था में कैसे कार्य करेंगे और बच्चों के द्वारा सर से प्रश्नोत्तरी भी किया गया जिनका बच्चों को सरलता पूर्वक उत्तर प्राप्त हुआ ।औद्योगिक भ्रमण में शहीद राजेश पवार शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंतागढ़ के प्राचार्य के निर्देशानुसार यह कार्य संपन्न कराया गया संस्था के प्राचार्य चंदन सिंह ठाकुर ,शर्मिला रानी कुमार, मधुसूदन यादु, राजरता मौर्य, मोहिंदर सिंह जुरी , चन्द्र कुमार ध्रुव,माखन सिंह वटटी,चेतन लाल ठाकुर, रुद्र प्रताप सोनी, गजेन्द्र कुमार साहू,गीतिका नाग, मुकेश कुमार अलेनिया,झरना साहू,गोदावरी गौर, करिश्मा ठाकुर,सुरेश कुमार बारले, प्रियंका सहारे , एवं ऑटोमोबाइल व्यावसायिक प्रशिक्षक देवेन्द्र कुमार साहू आदि उपस्थित रहे।

कश्यप जयंती पर केशरवानी समाज की निकली भव्य शोभायात्रा



सारंगढ़ / नवप्रदेश। कश्यप जयंती पर केशरवानी समाज के द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई । यह शोभा यात्रा केशरवानी धर्मशाला से आरंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए निकली । शोभायात्रा में समाज के सैकड़ों महिला पुरुष पारंपरिक परिधानों में शामिल हुए और जयकारों के साथ माहौल को धार्मिक रंग में रंग दिया । जगह-जगह समाज जनों एवं स्थानीय नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया । आजाद चौक पर अग्रसेन सेवा संघ की ओर से विशेष स्वागत किया गया । संघ के सदस्यों ने समाज के लोगों को टंडा पेयजल और मिष्ठान वितरित कर सेवा भावना का परिचय दिया । शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई केशरबानी धर्मशाला में जाकर समाप्त हुई , जहां सामूहिक पूजा - अर्चना एवं प्रसाद वितरण किया गया । समाज के पदाधिकारियों व देवेंद्र केशरबानी ने इस आयोजन को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखने का प्रतीक बताया ।

सारंगढ़ में आज होगा जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ

सारंगढ़ बिलाईगढ़ / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य और जिला स्तर पर रजत जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के निर्देशन में सारंगढ़ के खेलभांडा मैदान में जिला स्तरीय कार्यक्रम 2 नवंबर से 4 नवंबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 2 नवंबर को शाम 4 बजे मुख्य अतिथि रायगढ़ लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, विशिष्ट अतिथि राजस्व, आपदा प्रबंधन, उच्च शिक्षा एवं जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा, वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी ओपी चौधरी, जांजगीर चापा लोकसभा सांसद, विधायक सारंगढ़ उत्तरी गनपट जांगड़े, विधायक बिलाईगढ़ कविता प्राण लहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक एवं जिले के समस्त जनपद पंचायत अध्यक्षों, जिला पंचायत सदस्यों, जनपद पंचायत सदस्यों, नगरीय निकाय के सदस्यों की उपस्थिति में किया जाएगा। शुभारंभ के बाद स्टॉल अवलोकन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिले के चिन्हित विभाग अपने स्टॉल के माध्यम से अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी सहित योजना से जुड़े हितग्राहियों को सामग्री वितरण, प्रतीकात्मक चेक आदि अतिथियों के करकमलों से प्रदान किया जाएगा।

राज्योत्सव पर रोजगार का सुनहरा अवसर

बलरामपुर / नवप्रदेश। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राज्योत्सव में 03 नवम्बर 2025 को प्रातः 11 बजे हार्ड स्कूल ग्राउंड बलरामपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्रतिष्ठित संस्थान एस.बी.आई. लाइफ इंयोरेंस, इफेटेक इंडिया प्रा.लि. रायपुर, महवीर ट्रैक्टर बलरामपुर, एस.आई.एस. सिक्योरिटी गार्ड, स्वतंत्र माइक्रोफ़िन प्रा.लि. द्वारा विभिन्न पदों पर चयन कर रोजगार प्रदान किया जायेगा। जिसमें लाईफ मित्र, सेल्स एग्जीकटिव, टीम मैनेजर, ग्राम पंचायत प्रोडक्ट एडवाइजर, सेल्स बॉय, सुरक्षा जवान, सुपरवाइजर, फ़ैल्ड ऑफ़िसर एवं कलेक्शन ऑफ़िसर सहित कुल 653 पदों पर भर्ती का आयोजन। आवेदक इन सभी पदों के लिए ई-रोजगार पोर्टल एवं सीजी रोजगार एप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात आवेदक साक्षात्कार हेतु अपना संपूर्ण शैक्षणिक दस्तावेज के साथ निर्धारित स्थान एवं तिथि को उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बलरामपुर व मोबाइल नम्बर 07831299158, 7587720774 पर संपर्क किया जा सकता है।

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे के समक्ष दी गई मास्टर ट्रेनरों को एसआईआर प्रशिक्षण

4 नवंबर से 4 दिसंबर तक होगा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण

घर-घर जाकर बीएलओ करेंगे मतदाताओं से संपर्क

सारंगढ़ बिलाईगढ़ / नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभाकक्ष में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के जिला निर्वाचन मास्टर ट्रेनर द्वारा सारंगढ़, बरसकला और बिलाईगढ़ ब्लॉक के निर्वाचन मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन



अधिकारी प्रकाश सर्वे, निर्वाचन पर्यवेक्षक हरकिशन डनसेना, कुंजबिहारी गहरे आदि उपस्थित थे। जिला मास्टर ट्रेनर चूड़ामणि गोस्वामी ने कहा कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ)

अपने क्षेत्र में निर्वाचन के इस कार्य को शुरू करने के पहले अपने क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को सूचना दें कि इस अवधि तक यह कार्य इस क्षेत्र में करने जा रहे हैं। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से

मिलकर उन्हें इस एसआईआर की जानकारी देंगे फिर गणना पत्रक में मतदाता के नवीनतम फोटो चिपकाना होगा। दो गणना पत्रक में एक फर्म भरकर बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा किया जाना है और एक पत्रक मतदाता

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का कलेक्टर ने निरीक्षण कर मरीजों का हाल जाना

■ कलेक्टर ने हॉस्पिटल के जीर्णोद्धार और विकास कार्यों का जायजा लेकर जनवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़ / नवप्रदेश।कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने सोनोग्राफि सेंटर, एक्स-रे रूम, फ़ैमैसी कक्ष सहित विभिन्न वाडों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने वहां चल रहे सभी निर्माणधीन विकास कार्यों को जायजा लेकर अधिकारियों को जनवरी 2026 तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में साफसफ़ाई बनाए रखने, मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करने तथा गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे



ने बिलाईगढ़ अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों से भी चर्चा कर उनका हालचाल जाना। मरीजों से डॉक्टरों की समय पर उपस्थिति एवं उपचार की गुणवत्ता की जानकारी भी ली।

उन्होंने कहा कि -इस अस्पताल को हम प्राइवेट अस्पतालों की तर्ज पर विकसित कर रहे हैं ताकि मरीजों को सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल

सकें।

सोनोग्राफी मशीन शुरू

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश पर छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कांर्पोरेशन की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ को प्रास सोनोग्राफी मशीन को एक माह पूर्व से चालू किया गया है। इससे मरीजों को इलाज कराने में मदद मिलेगी।

राज्यपाल 3 नवम्बर को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास पर

बलरामपुर / नवप्रदेश। जिला अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं के प्रगति की करीबे समीक्षा छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेज डैका 03 नवम्बर को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास पर रहेंगे। प्रवास के दौरान राज्यपाल द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रही शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी के हाथों सम्मानित हुए बलरामपुर के कृष्णा पहाड़ी कोरवा

■ पीएम जनमन योजना के तहत पहला आवास हितग्राही जिसे पीएम के हाथों सम्मानित होने का मिला अवसर

बलरामपुर / नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25वें वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह का मंच उस समय तालियों से गूंज उठा, जब



बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम गोविंदपुर (सरगढ़ी) के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के कृष्णा पहाड़ी कोरवा को देश के प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से सम्मानित होने का अवसर प्राप्त हुआ।कृष्णा और उनकी पत्नी दोनों दृष्टिबाधित हैं। जीवन की चुनौतियों और सीमित संसाधनों के बीच भी उन्होंने हिममत नहीं हारी। वर्ष 2023-24 में उन्हें प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत हुआ। संकल्प और श्रम से उन्होंने उस आवास को स्वयं के प्रयासों से पूरा किया।

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में होगा राज्योत्सव कार्यक्रम

बलरामपुर / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं रजत जयंती 2025 के अवसर पर जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन 02 से 04 नवम्बर तक सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में जिला मुख्यालय के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशिष्ट आतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुपालन विकास मंत्री रामविचार नेताम, सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, ततापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुनी निकुंज, उपाध्यक्ष धीरज सिंहदेव, जनपद पंचायत बलरामपुर अध्यक्ष सुमित्रा चेरवा, नगरपालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का शामिल होंगे। इसके साथ ही राज्य स्थापना दिवस पर स्थानीय प्रस्तुतियों के साथ आमंत्रित कलाकारों द्वारा संध्याकालीन प्रस्तुति दी जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कराया 3.51 लाख आवासों का वर्चुअल गृहप्रवेश

■ बलरामपुर जिले के 16 हजार से अधिक परिवारों ने पक्के घर में रखा पहला कदम

बलरामपुर / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस एवं रजत जयंती महोत्सव के ऐतिहासिक अवसर पर आज राजधानी रायपुर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत 3 लाख 51 हजार लाभार्थियों के पक्के घरों का सामूहिक गृहप्रवेश कराया। यह आनंद का क्षण है जहां हजारों परिवारों ने अपने सपनों के घर में प्रवेश कर अपने पक्के घर का सपना साकार होते देखे। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भी उत्सव जैसा माहौल है, जहां जिले के 16 हजार 760 हितग्राहियों को नए आवासों का



सामूहिक गृहप्रवेश ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने अपने खुशी के इस अवसर को परिवार और पड़ोसियों के साथ साझा किया।

जिले के सभी विकासखंडों में हजारों परिवारों का सपना हुआ

साकारजिले के सभी विकासखंडों में सामूहिक गृहप्रवेश के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसके अंतर्गत विकासखंड बलरामपुर में 2643 आवास, कुसमी में 2542 आवास, राजपुर में 2103 आवास, रामचंद्रपुर में 4084 आवास, शंकरगढ़ में 1706

आवास, तथा वाडूपनगर में 3682 आवास लाभार्थियों का गृहप्रवेश कराया गया। इन सभी हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से चाबी सौंप खुशियां साझा की गईं। जहां ग्राम पंचायत में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीण उत्सव के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

एक सूत्र में पिरोता है। 66 साल पहले देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद कालिदास समारोह के प्रथम आयोजन में लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

भारतीय संस्कृति के तेजस्वी

महाकवि बनना इसका प्रमाण है। सम्राट विक्रमादित्य के नवरत्नों में शामिल साहित्य के शिखर पुरुष महाकवि कालिदास की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय कालिदास समारोह एक प्रतिष्ठित समारोह है, जो संस्कृत और साहित्य को

के आप सभी भाइयों-बहनों ने मिलकर अनेक उपलब्धियां हासिल की है। जो बीज 25 साल पहले बोया गया था आज यह विकास का वृक्ष बन गया है। आज छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र का नया मंदिर, नया विधानसभा मिला है पीएम

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अवधि

1 मुद्रण-प्रशिक्षण कार्य 28.अक्टूबर 2025 से 03.नवंबर 2025 तक	4 दावे और आपत्ति की अवधि 09.दिसंबर 2025 से 08.जनवरी 2026 तक
2 घर घर गणना चरण अवधि (घर-घर जाकर सत्यापन) कार्य 04.नवंबर 2025 से 04.दिसंबर 2025 तक	5 नोटिस चरण (सुनवाई और सत्यापन) 09.दिसंबर 2025 से 31.जनवरी 2026 तक
3 मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन 09.दिसंबर 2025	6 मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 07.फरवरी 2026

के पास रहेगा। गणना पत्रक में मतदाता का प्रारंभिक जानकारी देना होगा। फिर प्रपत्र के नीचे बायीं ओर वर्ष 2023 में विशेष गहन पुनरीक्षण किए गए यदि मतदाता का नाम हो, तब उसकी जानकारी भरी जाएगी। यदि जानकारी नहीं है तो उस कॉलम को छोड़ा (रिक्त) जाएगा। दायीं ओर उस मतदाता के माता-पिता, (रिश्तेदार दादा, चाचा) का नाम यदि वर्ष 2023 के विशेष गहन

पुनरीक्षण किए गए सूची में हो तो उस कॉलम में दर्ज करेंगे। यदि मतदाता और मतदाता के रिश्तेदारों का वर्ष 2023 के विशेष गहन पुनरीक्षण किए गए सूची में नाम दर्ज नहीं है तो उन्हें 13 बिन्दु के दस्तावेज, घोषणा पत्र के साथ भरकर जमा करना होगा। जिला मास्टर ट्रेनर एस और अजय ने प्रशिक्षण में एसआईआर के कार्यक्रम अवधि की जानकारी दी गई।

राजस्व सेवा में बढ़ती गति और सुविधा - कोरबा जिले की 25 वर्षों की उपलब्धि

कोरबा / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन वर्ष 2000 में कोरबा जिले में मात्र चार तहसीलें - कोरबा, करतला, कटघोरा और पाली ही हुआ करती थीं। उस समय सीमित प्रशासनिक ढांचे के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अपने राजस्व प्रकरणों के समाधान के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। प्रकरणों की अधिकता और सीमित संसाधनों के कारण न्याय मिलने में भी देरी होती थी।

बीते 25 वर्षों की विकास यात्रा में कोरबा जिले ने प्रशासनिक विस्तार और जनता की सुविधा की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। बढ़ती जनसंख्या और ग्रामीण अंचलों की जरूरतों को देखते हुए राज्य सरकार ने लगातार नई तहसीलों का गठन किया। आज जिले में कुल 12 तहसीलों कार्यरत हैं- कोरबा, करतला, कटघोरा, पाली, पोड़ीउपरोड़ा, अजरगबहार, भैसमा, बरपाली, दर्री, दीपका, हरदीबाजार और पसान। विगत



वर्षों में बनी नई तहसीलों ने राजस्व सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

नई तहसीलों के गठन वर्ष: पोड़ीउपरोड़ा -2008, हरदीबाजार - 2020, दर्री -2020, अजरगबहार - 2022, भैसमा - 2022, बरपाली - 2022, दीपका - 2022, पसान - 2022, इन नई तहसीलों के गठन से न केवल ग्रामीणों की प्रशासनिक पहुंच आसान हुई, बल्कि राजस्व मामलों के निपटारे में भी तेजी और पारदर्शिता आई है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा राजस्व के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए न सिर्फ़हर 15 दिनों में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली जाती है ।

न्यूज गैलरी

भगवान भोलेनाथ से मांगी भारत की जीत की दुआ

भोपाल में युवाओं ने की विशेष पूजा-अर्चना, महिला विश्व कप फाइनल से पहले की शिव स्तुति



भोपाल/नवप्रदेश। महिला क्रिकेट विश्व कप के फाइनल से पहले राजधानी भोपाल में भारतीय टीम की जीत के लिए विशेष पूजा-अर्चना की गई। शनिवार को सेवा संकल्प युवा संगठन के युवाओं ने शीतलदास की बगिया स्थित भोलेनाथ मंदिर में अभिषेक किया और भारत की विजय की कामना की। संगठन के अध्यक्ष प्रकाश मालवीय ने बताया कि, -हमारे संगठन ने इससे पहले भी पूर्व विश्व कप के दौरान भोलेनाथ का अभिषेक किया था, तब भारत को विजय प्राप्त हुई थी। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज भी हमने भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की है कि कल भारत की महिला टीम दक्षिण अफ्रीका को हराकर देश का तिरंगा विश्व विजेता के रूप में लहराए। अभिषेक के दौरान युवाओं ने जयघोष के साथ देश की टीम के लिए मंगलकामनाएं कीं और मंदिर परिसर में शिव स्तुति का पाठ भी किया। इस अवसर पर संगठन के संयोजक चेतन भार्गव, विवेक साहू, राजेश गोपाल, यश जैन, विवेक श्रीवास्तव और अन्य श्रद्धालुओं ने भी अभिषेक किया।

कॉलेज में ‘हेलोवीन’ सेलिब्रेशन पर एबीवीपी का विरोध

कहा- भारतीय संस्कृति के खिलाफ ऐसे आयोजन, बीएसएसएस में रह हुआ कार्यक्रम



भोपाल/नवप्रदेश। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) भोपाल महानगर के भेल भाग ने बीएसएसएस कॉलेज परिसर में आयोजित -हेलोवीन सेलिब्रेशन-का विरोध करते हुए इसे भारतीय संस्कृति और सभ्यता के विपरीत बताया। परिषद ने कॉलेज प्रशासन से मांग की कि इस तरह के पाश्चात्य और असंस्कारी कार्यक्रमों पर तत्काल रोक लगाई जाए। अभाविप पदाधिकारियों ने कहा कि कॉलेज में विद्यार्थी भूत-प्रेत और राक्षसों के वेश में सजकर नृत्य एवं अन्य गतिविधियां कर रहे थे, जो भारतीय संस्कारों के अनुरूप नहीं हैं। ऐसे आयोजन युवाओं में पाश्चात्य संस्कृति की अंधी नकल को बढ़ावा देते हैं और शैक्षणिक माहौल को भी दूषित करते हैं। अभाविप भेल भाग संयोजक प्रतीक द्विवेदी ने कहा कि -आज बीएसएसएस कॉलेज में 'हेलोवीन डे' मनाया जा रहा था, जिसके विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रदर्शन किया। कॉलेज में छात्रों को मृतक बनाकर और असंस्कारी कार्यक्रम कनाए जा रहे थे, जिसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। यह हमारी संस्कृति के विरुद्ध है। कॉलेज प्रशासन ने हमें आश्वासन दिया है कि भविष्य में ऐसे पाश्चात्य संस्कृति से प्रेरित किसी भी आयोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी। विवाद बढ़ने के बाद कॉलेज प्रशासन ने अभाविप की आपत्तियों को संज्ञान में लेते हुए कार्यक्रम को तत्काल निरस्त करने का निर्णय लिया। साथ ही, प्रशासन ने आश्वासन दिया कि भविष्य में इस तरह के आयोजनों की पुनरावृत्ति नहीं होगी।

राजस्थान गए एमपी के 4 लोगों की मौत, 12 घायल

ट्रॉल्ले ने टेम्पो को मारी थी ठक्कर, फसल काटने खेत पर जा रहे थे

बीकानेर/भोपाल/नवप्रदेश। राजस्थान के फलोदी-बीकानेर नेशनल हाईवे-11 पर सड़क किनारे खड़े टेम्पो को ट्रॉल्ले ने पीछे से ठक्कर मार दी। इस हादसे में मध्य प्रदेश के दंपती समेत चार लोगों की मौत हो गई। 12 लोग घायल हैं। इनमें तीन बच्चे, 6 महिलाएं और 3 पुरुष शामिल हैं। हादसा शुक्रवार रात 10 बजे हुआ था। ड्राइवर को छोड़कर सभी मृतक और घायल रतलाम के रहने वाले हैं। थानाधिकारी भंवराराम ने बताया- टीना (12) पुत्री राय सिंह और जगदीश (32) पुत्र रामजी की मौतें पर ही मौत हो गई। पूजा (30) पत्नी जगदीश ने जोधपुर रेफर के दौरान ओसियां के पास दम तोड़ दिया। टेम्पो ड्राइवर गोपीलाल पुत्र बंशीलाल की जोधपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद आस-पास लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस के को-ऑर्डिनेटर भंवरलाल कुमावत समेत दो एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को फलोदी जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

फलोदी जिला अस्पताल में पीएमओ डॉ.अभिषेक अग्रवाल, पूर्व पीएमओ डॉ. प्रेमप्रकाश सुथार और डॉ. कैलाश जोशी सहित पूरू नर्सिंग स्टाफ घायलों के इलाज में जुट गया। डॉ. अग्रवाल ने बताया- पांच गंभीर घायलों (गोपी लाल, अशोक, बाबूलाल, पूजा और रोशनी) को जोधपुर रेफर किया गया था। इनमें से पूजा की जोधपुर रेफर किए जाने के दौरान ओसियां के पास मौत हो गई। टेम्पो ड्राइवर गोपीलाल निवासी मोटाई (फलोदी) की जोधपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई।

हम दूरियों को नहीं, दिलों को जोड़ने जा रहे हैं : सीएम यादव

इंद्रा स्टेट एयर सर्विसेज प्रारंभ करने में मध्यप्रदेश बना देश का पहला राज्य

मध्यप्रदेश में पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा का हुआ भव्य शुभारंभ

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को मिली विशेष सौगात

हेली सेवा का नियमित संचालन 20 नवम्बर से होगा शुरू

पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा, डिजी यात्रा, फ्लाईब्रेरी, किड्स प्ले ज़ोन और केट-II ILS प्रणाली से मध्यप्रदेश को मिली विकास की नई उड़ान

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हवाई यात्रा केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक आनंददायक यात्रा का अनुभव भी बने। मध्यप्रदेश अपने नागरिकों और पर्यटकों को आधुनिक सुविधाओं के साथ संस्कृति की आत्मीयता भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश की दूरियों को नहीं, बल्कि दिलों और अनुभवों को भी जोड़ने जा रहे हैं। हेलीकॉप्टर सेवा पर्यटन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी। यह सुविधा न केवल पर्यटकों और यात्रियों का समय बचायेगी बल्कि उन्हें एक ही यात्रा में आस्था, आध्यात्म, पर्यटन और अनुभव का अद्भुत संगम भी प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को हवाई मार्ग से जोड़कर दूरियां मिटाकर समय बचाना भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर पर्यटन सेवा (इंद्रा स्टेट एयर सर्विसेज) प्रारंभ करने वाला मध्यप्रदेश पूरे देश में पहला और इकलौता राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को राजा भोज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे परिसर में आयोजित विशेष समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर राज्य के पर्यटन एवं विमानन क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण और नवाचारी सेवाओं सहित राजा भोज एयरपोर्ट में उन्नयन कार्यों का शुभारंभ किया। इन सेवाओं में 'पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा', 'डिजी यात्रा', 'फ्लाईब्रेरी', 'किड्स प्ले ज़ोन' तथा 'केट-टू से केट-II ILS प्रणाली' जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को राजा भोज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर्स को हरी झंडी दिखाकर मध्यप्रदेश में इस सेवा का विधिवत् शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर तथा संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र



प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी को बोर्डिंग पास देकर इस हेली पर्यटन सेवा की प्रक्रियागत शुरुआत भी की।

हेलीकॉप्टर सेवा से पर्यटन को मिलेगी नई दिशा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा में प्रारंभिक चरण में तीन प्रमुख पर्यटन सेक्टरर्स में हेली सेवाएं चलाई जायेंगी। प्राथमिक चरण में इंदौर से उज्जैन एवं ओंकारेश्वर, भोपाल से मद्धई एवं पचमढ़ी तथा जबलपुर से बांधवगढ़ एवं कान्हा जैसे प्रमुख स्थलों तक हेलीकॉप्टर उड़ानें संचालित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस सेवा से पर्यटकों को कम समय में अधिक पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। साथ ही, यह सेवा प्रदेश के ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, होम-स्टे व्यवसाय और स्थानीय उत्पादों के विपणन को भी बढ़ावा देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस पहल से प्रदेश में हेलीकॉप्टर चार्टर कंपनियों, पर्यटन एजेंसियों, गाइड सेवा प्रदाताओं और महिला स्व-सहायता समूहों को भी नए अवसर प्राप्त होंगे।

तीन सेक्टर में पीएमश्री हेली सर्विस शुरू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर पीएमश्री हेलीकॉप्टर सेवा की अनुपम सौगात मिली है। इससे पर्यटकों को पैकेज के रूप में सभी तरह की सुविधाएं मिलेंगी। शुरुआती चरण में प्रदेश के 3 सेक्टर में पीएमश्री हेली सर्विस शुरू की जा रही है। भोपाल से मद्धई-पचमढ़ी, इंदौर से उज्जैन-ओंकारेश्वर और जबलपुर से कान्हा-बांधवगढ़ सेक्टर पर पर्यटकों को हेलीकॉप्टर सुविधा मिलेगी। अभी भोपाल से सड़क मार्ग से पचमढ़ी जाने में साढ़े 5 घंटे लगते है, लेकिन नई पीएमश्री हेली सर्विस से पर्यटक सिर्फ 45 से 50 मिनट में पचमढ़ी पहुंच सकेंगे। पीएमश्री पर्यटन हेली सर्विस जबलपुर से कन्हा और बांधवगढ़ को लिंक

करेगी। इंदौर से उज्जैन और ओंकारेश्वर के बीच हेलीकॉप्टर सेवा से एक दिन में दोनों ज्योतिर्लिंग के दर्शन हो जाएंगे। बाबा महाकाल की नगरी में प्रदेश का 9वां एयरपोर्ट विकसित किया जाएगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पहली बार इंद्रा स्टेट एविएशन सर्विस की शुरुआत हुई है। रीवा से इंदौर के बीच 20 नवंबर से इंडिगो की सीधी हवाई सुविधा मिलेगी। रीवा से दिल्ली हवाई सेवा भी पूर्वी मध्यप्रदेश के लिए अद्भुत सौगात है। हमारी सरकार बनने के बाद प्रदेश में 3 नए एयरपोर्ट रीवा, सतना और दतिया में शुरू किए गए। बदलते दौर में रीवा तेजी से विकास करने वाला नगर बना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'केंद्रीय उद्युयन मंत्री श्री के. राममोहन नायडू कहते हैं कि मध्यप्रदेश में एविएशन सेक्टर की अपार संभावनाएं हैं। पीएमश्री एंबुलेंस देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश में संचालित हो रही है। एयर एंबुलेंस के माध्यम से गरीबों और जरूरतमंदों को बेहतर इलाज उपलब्ध हो रहा है। आयुष्मान कार्ड से नागरिकों को निःशुल्क एयर एंबुलेंस सर्विस सेवा का लाभ ले रहे हैं। गैर आयुष्मान कार्ड धारकों को पेड सर्विस भी दी जा रही है। सतना जैसे छोटे शहरों को भी हवाई सेवा से जोड़ा गया है। यहां से छोटे प्लेन संचालित किए जा रहे हैं। स्थानीय नगर की संरचना के आधार पर एयरपोर्ट का डिजाइन तैयार किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के सभी एयरपोर्ट वास्तुशिल्प के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि उज्जैन में बनने वाले एयरपोर्ट की संरचना में बाबा महाकाल की कृति नजर आएगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 11 साल के शासनकाल में देश में एयरपोर्ट की संख्या दोगुना हो गई है। भारत विमानन क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है। दिल्ली के पास जेवर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बन रहा है। शाजापुर में हेलीकॉप्टर की मदद से कृष्ण मृग को पकड़कर गांधीसागर, कान्हा और कूनों अन्धारण्य में छोड़ा गया है।

संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में हमारा पर्यटन विभाग नए आयाम स्थापित कर रहा

पर्यटन, राज्य की अर्थव्यवस्था का है सशक्त स्तंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को 70वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिन केवल एक उत्सव मात्र नहीं, प्रदेश की विकास यात्रा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ने 70 वर्षों की इस लंबी यात्रा में अनेक चुनौतियां पार की हैं। अब हमारा लक्ष्य ही नहीं दृढ़ संकल्प भी है कि हम मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर, तकनीक-संपन्न और पर्यटन के क्षेत्र में अगुाणी राज्य बनाकर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है, जो अर्थव्यवस्था, संस्कृति और समाज ङ्ग तीनों को परस्पर जोड़ता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन हमारे देश और प्रदेश की इकोनॉमी का इकलौता ऐसा क्षेत्र है जो नई-नई लोकेशनन्स, अलग-अलग संस्कृतियों और ऐतिहासिक चीजों को अपने तरीके से एकसाथोर करने का आनंद, रोजगार और पहचान तीनों देता है।

है। पहले पीएमश्री एंबुलेंस के सफल संचालन के बाद कुछ स्थान ऐसे रह गए थे, जहां आज पीएमश्री पर्यटन हेली सर्विस शुरू की जा रही है। आज मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर विकसित मध्यप्रदेश ३2047 का विजन डॉक्यूमेंट लॉन्च किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पास प्रदेश को आगे ले जाने के लिए अनेक नए आईडिया हैं। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन और नेतृत्व में मध्यप्रदेश नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इसी कुशल नेतृत्व का अनुसरण कर मध्यप्रदेश पर्यटन भी नित नए पर आयाम गढ़ रहा है। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि यह सेवा केवल हवाई यात्रा को सुगम नहीं बनाएगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन, स्थानीय उत्पादों, और सांस्कृतिक समृद्धि को भी प्रोत्साहित करेगी। अब पर्यटक बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से लेकर सतपुड़ा की गोद में बसे पचमढ़ी और कान्हा-बांधवगढ़ के वन अंचलों तक का सफर कुछ ही घंटों में कर सकेंगे। यह पहल एक -आत्मनिर्भर और कनेक्टेड मध्यप्रदेश- की ओर अभिनव कदम है। अपर मुख्य सचिव पर्यटन एवं संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटकों के लिए प्रदेश में हवाई यात्रा सुलभ कराने के उद्देश्य से लगभग एक वर्ष पहले पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा का शुभारंभ किया गया था। उसमें अभी तक 10 हजार से अधिक पर्यटक यात्रा कर चुके हैं। मध्यप्रदेश भौगोलिक दृष्टि से बड़ा राज्य है। इसलिए प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाते हुए पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा का शुुभारंभ किया जा रहा है। देश में इंद्रा स्टेट एयर कनेक्टिविटी स्थापित करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है। इस योजना से प्रदेश में पर्यटन को नई गति मिलेगी। मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊँचाई मिलेगी।

पर्यटन के जरिए आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में बड़ा कदम
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यटन सेवाओं का यह विस्तार केवल सुविधाओं की शुरुआत नहीं, बल्कि 'आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश' के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नई सेवा और सुविधा रोजगार, कौशल विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक पर्यटकों की संख्या दोगुना की जाए और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था का आकार 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई हेली पर्यटन सेवाओं से स्थानीय युवाओं के साथ-साथ महिलाओं को भी बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने बताया कि देदी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के माध्यम से महिलाओं को पर्यटन, अतिथ्य और हस्तकला क्षेत्र में प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्लैगऑफ के साथ 4 हेलीकॉप्टरों ने उज्जैन के लिए उड़ान भरी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री विष्णु खत्री, विधायक सिंगरौली श्री रामनिवास मेश्राम, श्री राहुल कोठरी, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन श्री विपिन कुमार एवं अन्य ने भोपाल से उज्जैन के लिए उड़ान भरी। हेलीकॉप्टर पर्यटन सेवा का नियमित संचालन 20 नवम्बर 2025 से प्रारंभ होगा। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा राज्य के पर्यटन स्थलों के बीच हवाई संपर्क को सुदृढ़ बनाने लोक-निजी भागीदारी (५५:५५) मॉडल के अंतर्गत यह सेवा मध्य प्रदेश के पर्यटन को नई उड़ान देगी। 'पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा' का संचालन प्रत्येक सेक्टर में सप्ताह में 5 दिन किया जाएगा। सेवा संचालन के लिए सेक्टर-1 में मेसर्स ट्रांस भारत एविएशन तथा सेक्टर-2 और सेक्टर-3 में मेसर्स जेट सर्व एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ 3 वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध किए गए हैं। प्रारंभिक चरण में निजी ऑपरेटर द्वारा प्रत्येक सेक्टर में हेलीकॉप्टर संचालित किए जाएंगे, जिनमें कम से कम 6 यात्री सीटें होंगी।

इन 3 प्रमुख सेक्टरों में होगा संचालन

प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थलों, धार्मिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों के मध्य हवाई यात्रा को सुलभ बनाने के लिए 3 सेक्टरों में प्रादेशिक हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाय की जाएगी। चाहे वह महाकाल की नगरी उज्जैन हो, ओंकारेश्वर का दिव्य तट, बांधवगढ़ का जंगली रोमांच हो या पचमढ़ी की शांत वादियों, यह सेवा प्रदेश के हर प्रमुख धार्मिक स्थल, राष्ट्रीय उद्यान और ऐतिहासिक धरोहर को एक सूत्र में पिरोती है।

थाईलैंड में डूबे अंकित की बहन बोली-भाई तैरना जानता था

एक साथी ने मोबाइल का पासवर्ड क्यों मांगा; पिता ने की सही जांच कराने की मांग

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के अंकित साहू की थाईलैंड के समुद्र में डूबने से मौत हो गई। वे मेडिकल कंपनी बीएल लाइफ साईंस में काम करते थे। 23 अक्टूबर को कंपनी के कर्मचारियों के साथ ट्रूर पर थाईलैंड गए थे। 27 अक्टूबर को अंकित के एक साथी ने परिवार को फोन पर सूचना दी कि अंकित समुद्र में डूब गए। उनके फेफड़ों में पानी भर गया। कुछ देर बाद बताया कि अंकित की मौत हो चुकी है। बहन आयुषी ने कहा कि भाई तैरना जानता

था। जबकि मौत डूबने से हुई तो उनके एक साथी ने मोबाइल का पासवर्ड क्यों मांगा था? दूसरी ओर, पिता रोते हुए बार-बार कह रहे हैं कि अब मेरी पौती और परिवार को कौन संभालेगा। जैसे-तैसे पाल-पोस कर बड़ा किया था। हे भगवान, ये क्या हो गया? जिस दिन वापस आना था उसी दिन डूबे

अंकित की बहन आयुषी ने बताया कि भैया 23 अक्टूबर को यहां से निकले थे। 5 दिन बाद उनके वापस आने का प्रोग्राम था। जिस दिन वो वापस आने वाले थे उस दिन 12 बजे तक उनसे हमारी बात हुई।

मध्यप्रदेश आज सबसे तेज गति से विकास करने वाला प्रदेश: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

रीवा में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कलेक्ट्रेट रीवा में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में कहा कि मध्यप्रदेश तेजी से विकास की राह पर चल रहा है। प्रदेश निर्माण का 70वां वर्ष मनाते हुए हम सबको गर्व है। कृषि, उद्योग, अधोसंरचना विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों गरीबों को

लाभान्वित किया जा रहा है। एक समय ऐसा भी था जब प्रदेश में बीमारू राज्य का टैग लगा था। प्रदेश में संसाधन, प्राकृतिक संपदा और परिश्रम करने वाले करोड़ों हाथ हैं। सरकार की सही नीतियों और कार्यक्रमों से अब प्रदेश के विकास को पंख लग गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के साथ-साथ विन्ध्य प्रदेश का भी तेजी से विकास हुआ है। यहाँ पहले केवल एक लाख एकड़ में सिंचाई की सुविधा थी। हमने इसे तीन लाख एकड़ तक बढ़ाया है। अगले पाँच सालों में रीवा में नौ लाख एकड़ में



सिंचाई की सुविधा मिल जाएगी। इससे जिले का तेजी से आर्थिक विकास होगा। विन्ध्य के निवासियों का उर्वर मस्तिष्क सकारात्मक दिशा

में प्रयास कर देता है तो चमत्कार कर देता है। प्रदेश के विकास का हम अवलोकन करते हुए अतीत की गलतियों से सबक लेकर विकास

का मार्ग प्रशस्त करें। नई पीढ़ी को नशे की रह से विमुख करना आवश्यक है। नई पीढ़ी यदि नशे की गिरफ्त में चली गई तो विकास के फल का स्वाद नहीं ले पाएगी। रीवा में प्रशासन ने नशे के विरुद्ध सराहनीय अभियान चलाकर 600 से अधिक नशे के सौदागरों को जेल भेजा है। भारी मात्रा में गांजा, कोरेक्स और अन्य मादक पदार्थ जब्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश स्थापना दिवस समारोह के शुभारंभ पर ध्वजारोहण किया। समारोह में सेंट्रल एकेडमी तथा संदीपनि पीके स्कूल के

विद्यार्थियों ने सुमधुर गीत प्रस्तुत किए। समारोह में विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश गान की मधुर प्रस्तुति दी। समारोह में उद्योग विभाग से लाभान्वित पाँच हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, डीआईजी हेमंत चौहान सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।